PHM
Prime Heritage Morning
News

प्राइम हेरिटेज मॉर्निंग

PRIME HERITAGE MORNING

हिन्दी मासिक

गाजियाबाद, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, बुलंदशहर, अनूपशहर, आगरा, लखनऊ से एक साथ प्रसारित

उप सम्पादक-
पुनीत शर्मा

जुलाई, 2026 (गाजियाबाद) | RNI No.: UPHIN/2021/83472 | वर्ष-6, अंक-8, पृष्ठ-8, मूल्य : 20 रूपये

गडकरी ने उत्तराखंड में 4,026 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को उत्तराखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव की प्रगति की समीक्षा की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यहां आयोजित बैठक में 4,026 किलोमीटर लंबाई की परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी और परियोजना ठेकेदार मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में गडकरी ने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश दिया कि कार्यान्वयन की गति तेज की जाए, गुणवत्ता निगरानी को मजबूत किया जाए और आधुनिक निर्माण पद्धतियों को अपनाया जाए ताकि राजमार्ग परिसंपत्तियों की आयु बढ़े, सड़कों की गुणवत्ता सुधरे और प्रमुख कॉरिडोर पर निर्बाध संपर्क सुनिश्चित हो। उन्होंने आगामी मानसून को देखते हुए अग्रिम तैयारी करने पर भी जोर दिया। इसके तहत प्रभावी जल निकासी प्रबंधन, ढलान सुरक्षा उपाय और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए गए ताकि यातायात में व्यवधान कम हो और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पीएम मोदी ने दी भारत-सेशेल्स साझेदारी को नई दिशा, 19 अहम बिंदुओं पर बनी सहमति

एजेंसी

विक्टोरिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीन दिवसीय सेशेल्स दौरा सम्पन्न हो गया है और वह मस्कट के लिए रवाना हो चुके हैं। पीएम मोदी के इस दौरे पर भारत और सेशेल्स के बीच 19 मुद्दे फोकस में रहे। इनमें सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली लागू करने, जन औषधि योजना पर सहयोग, जलवायु परिवर्तन से निपटने, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा, ब्लू इकोनॉमी तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "सेशेल्स यात्रा के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। कई महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। इनमें सेशेल्स में यूपीआई लागू करने और जन औषधि से जुड़े समझौते शामिल हैं। हम क्लाइमेट एक्शन, ग्रीन हाइड्रोजन, एनर्जी, ब्लू इकोनॉमी और भविष्य के अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम करते रहेंगे।"

भारत और सेशेल्स के बीच 19 प्रमुख बिंदु इस प्रकार है-

सेशेल्स सरकार को एक फास्ट पेट्रोल वेसल गिफ्ट किया गया, जो समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करता है और हिंद महासागर क्षेत्र में एक नेट सुरक्षा प्रोवाइडर के रूप में भारत की भूमिका को बढ़ाता है। इससे भारतीय रक्षा निर्माण क्षमताओं को भी बढ़ावा मिलता है। सेशेल्स डिफेंस फोर्स को 50 यूटिलिटी वाहन और लेक रीजनल क्लास बोट्स के 5 सेट सौंपे गए। द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में एक भरोसेमंद और विकासशील पार्टनर के रूप में भारत की भूमिका को बढ़ाता है। सेशेल्स सरकार को 6 एम्बुलेंस सौंपे गए। यह एक भरोसेमंद मानवीय साझेदार के तौर पर भारत के कमिटमेंट को मजबूत करता है। इससे पब्लिक वेलनेस के जरिए लोगों के बीच संबंधों को भी मजबूती मिलती है। भारत ने सेशेल्स को 500 मैट्रिक टन चावल उपलब्ध कराया। इससे खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग मजबूत होगा और भरोसेमंद साझेदार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित होती है। सेशेल्स सरकार को 11,500 मैट्रिक टन सीमेंट सौंपा गया। यह साझेदार देशों की विकास संबंधी जरूरतों को समय पर पूरा करने की भारत की प्रतिबद्धता और उसके विकास साझेदारी मॉडल को दर्शाता है। प्रोफेशनल और टेक्निकल एजुकेशन सेंटर के लिए वर्चुअल ग्राउंड-ब्रेकिंग सेरेमनी, एक भरोसेमंद विकास पार्टनर के तौर पर भारत की भूमिका को फिर से सुनिश्चित करती है। यह लंबे समय के इंस्टीट्यूशनल लिंकेज बनाता है और स्थानीय लोगों के बीच अच्छी भावना पैदा करता है। सेशेल्स कोस्ट गार्ड के लिए पीएसएस जोरोस्टर की मरम्मत का काम पूरा हुआ, जो रक्षा सहयोग को गहरा करने के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को बढ़ाएगा। इसके अलावा, यह आईओआर में नेट सुरक्षा प्रोवाइडर के तौर पर भारत की भूमिका को दोहराएगा। न्यास कॉम्प्लेक्स वाले डोमिंगो एयरक्राफ्ट का उपयोग किया जा रहा है, जो रक्षा और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाता है और साझेदार देशों के डिफेंस एसेट्स के आधुनिकीकरण में भारत की भूमिका को मजबूत करता है। सेशेल्स ने कोलिजन और डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) की सदस्यता ग्रहण की। इससे आपदा प्रबंधन, जलवायु अनुकूल बुनियादी ढांचे और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस (एसएसआईएफएस) और सेशेल्स रिपब्लिक के विदेश मंत्रालय और डायस्पोरा (एमओएफएडी) के बीच एमओयू एक्सचेंज हुआ। यह क्षमता निर्माण के लिए सहयोगी के तौर पर भारत की भूमिका को बढ़ाता है और दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई), इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड, और सेंट्रल बैंक ऑफ सेशेल्स के बीच एमओयू एक्सचेंज हुए। यह सेशेल्स में यूपीआई-आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली को आगे बढ़ाता है।

> यह साझेदार देशों की विकास संबंधी जरूरतों को समय पर पूरा करने की भारत की प्रतिबद्धता और उसके विकास साझेदारी मॉडल को दर्शाता है। प्रोफेशनल और टेक्निकल एजुकेशन सेंटर के लिए वर्चुअल ग्राउंड-ब्रेकिंग सेरेमनी, एक भरोसेमंद विकास पार्टनर के तौर पर भारत की भूमिका को फिर से सुनिश्चित करती है। यह लंबे समय के इंस्टीट्यूशनल लिंकेज बनाता है और स्थानीय लोगों के बीच अच्छी भावना पैदा करता है। सेशेल्स कोस्ट गार्ड के लिए पीएसएस जोरोस्टर की मरम्मत का काम पूरा हुआ, जो रक्षा सहयोग को गहरा करने के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को बढ़ाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद छह सैनिकों क नाम 13 महीने बाद सार्वजनिक करने पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए छह सैनिकों के नाम 13 महीने बाद सार्वजनिक किए जाने पर कांग्रेस ने सरकार और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर निशाना साधा है। कांग्रेस के एक्स-सर्विसमैन विभाग के अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी (रि.) ने आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री ने सदन में गलत जानकारी दी और शहीदों की अनदेखी की है। कर्नल रोहित चौधरी ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में किसी भी सैनिक की क्षति नहीं हुई, जबकि बाद में सरकार ने शहीदों के नाम सार्वजनिक किए। शहीदों के नाम सामने आने में 13 महीने की देरी हुई, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने रक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार और सत्ता पक्ष के सांसदों को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने ऑपरेशन के दौरान सेना को खुली छूट नहीं दी और विदेश नीति कमजोर रही, जिससे पाकिस्तान को वैश्विक संस्थानों से लोन मिला और आतंकी संगठनों पर नजर रखने की जिम्मेदारी उसी को सौंप दी गई। उन्होंने अग्निवीर योजना को भी समाप्त करने की भी मांग की। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए छह सैनिकों के नाम 'नेशनल वॉर मेमोरियल' के 'रोल ऑफ ऑनर' में शामिल किए हैं। अब ये नाम स्मारक की मुख्य दीवार 'त्याग चक्र' पर स्थाई रूप से अंकित रहेंगे।

तेलंगाना का विकास सिफ 'डबल-इंजन सरकार' से ही हो सकता है: नितिन नवीन

एजेंसी

हैदराबाद। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को दावा किया कि तेलंगाना का विकास केवल भाजपा की "डबल-इंजन सरकार" से ही संभव है। 'विकसित भारत स्टूडेंट कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने भरोसा जताया कि तेलंगाना में भाजपा सत्ता में आएगी। भाजपा प्रमुख ने कहा कि भारत के युवा सरकार-विरोधी सोच के साथ काम नहीं करते, बल्कि देश के निर्माण के लिए कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, "जो सामने बैठे युवा "जेन जी" हैं वो अपने-अपने क्षेत्रों में खुद को स्थापित कर रहे हैं। कोई लॉन टेनिस खिलाड़ी है तो कोई क्रिकेट खिलाड़ी। मेरी बात बैडमिंटन के बारे में बात कर रही थी। किसी का स्टार्टअप है।" उन्होंने कहा कि असली "जेन जी" देश के वे 2.25 लाख युवा हैं जो स्टार्टअप के जरिए अपना और देश का भविष्य बना रहे हैं। भाजपा प्रमुख ने कहा कि जो लोग संविधान और संस्कृति पर सवाल उठाते हैं, वो देश की असल में "जेन जी" नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि आज देश में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप चल रहे हैं और भारत के युवाओं की लीडरशिप और कोशिशों से 125 से ज्यादा यूनिकॉर्न बने हैं। मेरा मानना है कि राज्य सरकार की नीतियां इसके लिए राजनीतिक जवाबदेही का विषय हैं, लेकिन मेरा यह भी मानना है कि केंद्र सरकार की नीतियां स्टार्टअप के विकास में सबसे मदद करती हैं। आज के युवा नौकरी देने वाले के तौर पर उभर रहे हैं। उनके इनोवेशन और काबिलियत को पहचाना जा रहा है और वे देशभर में लाखों लोगों के लिए रोजगार के मौके पैदा कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से राजनीति में शामिल होने की अपील की, हालांकि उन्होंने कहा कि राजनीति में आने के बाद वे क्या करना चाहते हैं, इस बारे में उन्हें स्पष्टता होनी चाहिए। नितिन नवीन ने कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल से लोगों में जागरूकता बढ़ी है। उनका मानना है कि पहले लोगों को अपने अधिकारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि लोगों को पार्टियों और नेताओं द्वारा किए गए वादे याद रहते हैं। नितिन नवीन ने कहा कि तेलंगाना के युवाओं में जबरदस्त टैलेंट, इनोवेशन और असीमित क्षमता है और वे भारत के विकास में अहम भूमिका निभाने की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से राज्य में कांग्रेस सरकार युवाओं से किए गए अपने मुख्य वादों को पूरा करने में नाकाम रही है, जिसमें रोजगार और विकास से जुड़े वादे भी शामिल हैं। भाजपा प्रमुख का मानना है कि लीडरशिप का मतलब है फैसले लेने की क्षमता दिखाना। मैं एक उदाहरण देता हूं कि लीडरशिप से कितना फर्क पड़ सकता है। मैं बिहार से हूं।

> उन्होंने दावा कि अगले दो वर्षों में 'भारत टैक्सी' का विस्तार देश के 500 से अधिक शहरों और कस्बों तक किया जाएगा। वहीं, 31 जुलाई से पहले इसकी सेवाएं देश के सात प्रमुख शहरों में उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'भारत टैक्सी' केवल परिवहन सेवा नहीं, बल्कि सहकारिता आधारित आर्थिक सशक्तिकरण का मॉडल है।

राजस्थान व हरियाणा के बीच समझौता, अब शेखावाटी को मिलेगा यमुना का पानी

एजेंसी

जयपुर। अब राजस्थान के शेखावाटी इलाके को हरियाणा से यमुना का पानी मिलेगा। यह पानी शेखावाटी के तीन जिलों सीकर, चूरू और झुंझुनूं के गांवों और शहरों में पाइपलाइन के जरिए लाया जाएगा, जो पीने के काम आएगा। लगभग बत्तीस साल से लंबित यह परियोजना राजस्थान के इतिहास में मील का पत्थर सिद्ध होगी। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण का काम शुरू होगा। राजस्थान और हरियाणा के बीच सोमवार को ऐतिहासिक यमुना जल समझौते पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर हुए। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, राजस्थान और हरियाणा सरकार के बीच मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है, दशकों का इंतजार खत्म हो गया है। शेखावाटी के तीन जिलों को यमुना का पानी पहुंचाने के लिए एमओए एक ऐतिहासिक कदम है।

जंतर-मंतर पर शिक्षा सुधार और पर्यावरण क लिए आंदोलन तेज, सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का दूसरा दिन

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉन्फ्रेंस जनता पार्टी (CJP) का शिक्षा सुधार, पेपर लीक पर कार्रवाई और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन आज 10वें दिन में प्रवेश कर गया है। वहीं, प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक इस धरने के समर्थन में अपनी भूख हड़ताल के दूसरे दिन पर हैं। वे केवल नमक और पानी के सहारे अनशन कर रहे हैं। आंदोलन स्थल पर लगातार छात्रों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ रहा है, जो पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था और जवाबदेही की मांग को लेकर लामबंद हैं।

देशव्यापी समर्थन और भागीदारी का आह्वान

सोनम वांगचुक ने देशभर के नागरिकों से इस मुहिम में शामिल होने की मार्मिक अपील की है। उन्होंने कहा कि जो लोग दिल्ली नहीं आ सकते, वे अपने शहर या गांव में एक दिन का सांकेतिक अनशन रखकर अपनी आवाज बुलंद करें। वांगचुक का मानना है कि यह लड़ाई केवल दिल्ली की नहीं, बल्कि देश के हर युवा के भविष्य और पर्यावरण सुरक्षा की है। उनके इस आह्वान का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार की जड़ से मिटाना और व्यवस्था में आमूलचूल सकारात्मक बदलाव लाना है।

आंदोलन के केंद्र में शिक्षा की गुणवत्ता और पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर मुद्दे हैं। वांगचुक ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विक्टोरिया में श्री गणेश मंदिर क किए दर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया स्थित एकमात्र मंदिर 'अरुलमिगु नवशक्ति विनायक' में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, " मैंने विक्टोरिया स्थित प्रमुख हिंदू मंदिर 'अरुलमिगु नवशक्ति विनायक' में प्रार्थना की। भगवान श्री गणेश सभी को बुद्धि, शक्ति और समृद्धि का आशीर्वाद दें।" उल्लेखनीय है कि विनायक मंदिर द्वीप पर बसे सेशेल्स देश का यह पहला और एकमात्र मंदिर है। वर्ष 1992 में स्थापित यह मंदिर केवल प्रार्थना स्थल ही नहीं है। यह आस्था की गहराई और हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति की सुंदरता को जानने का द्वार है। श्रद्धालुओं तथा जिज्ञासुओं के लिए यह मंदिर हिंदू उपासना के सार और शांति एवं ज्ञान की सार्वभौमिक खोज की एक अनूठी झलक प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, इस मंदिर में मुरुगन, नटराज, दुर्गा और कई अन्य देवताओं का भी एक जीवंत संग्रह है।

राहुल गांधी क 'गुमशुदा' पोस्टर पर कांग्रेस का पलटवार

कहा- महंगाई, राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर पोस्टर क्यों नहीं लगाती भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने राहुल गांधी के गुमशुदा के पोस्टर लगाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) बिल सहित अन्य मुद्दों पर पार्टी का पक्ष रखा। वहीं, नितिन नवीन के बयान पर आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष वी. गुरुनाथम और राम मंदिर चंदा चोरी पर यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी के लापता होने के पोस्टर लगाए जाने पर कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "ये (भाजपाई) लोग राहुल गांधी का नाम लेकर सोते और जागते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी पोस्टर लगना चाहिए, क्योंकि वह भी तो देश में नहीं है। राहुल गांधी के विदेश दौरों के बारे में सबको पता है। राहुल गांधी को कोई छिपा नहीं सकता है। पोस्टर लगाने वाला अपना पैसा बर्बाद कर रहा है, तो इसमें हमें क्या दिक्कत होगी? देश में महंगाई है, पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए, राम मंदिर में चंदा चोरी हो गया और महाराष्ट्र में पेपर लीक होने का पोस्टर तो भाजपा के लोगों ने लगाया नहीं है। जब सदन चलेगा तो सबको राहुल गांधी दिखेंगे।"

> राहुल गांधी के लापता होने के पोस्टर लगाए जाने पर कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "ये (भाजपाई) लोग राहुल गांधी का नाम लेकर सोते और जागते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी पोस्टर लगना चाहिए, क्योंकि वह भी तो देश में नहीं है। राहुल गांधी के विदेश दौरों के बारे में सबको पता है। राहुल गांधी को कोई छिपा नहीं सकता है। पोस्टर लगाने वाला अपना पैसा बर्बाद कर रहा है, तो इसमें हमें क्या दिक्कत होगी? देश में महंगाई है, पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए, राम मंदिर में चंदा चोरी हो गया और महाराष्ट्र में पेपर लीक होने का पोस्टर तो भाजपा के लोगों ने लगाया नहीं है।

पश्चिम बंगाल में यूसीसी बिल पेश किए जाने को लेकर कांग्रेस सांसद ने कहा, "जो भी बिल आए, उस पर पहले मंथन होना चाहिए। सदन के साथ जनता से भी इस बिल पर राय लेकर निर्णय लेना चाहिए। भाजपा सरकार जल्दबाजी में बिल तो ले आती है, लेकिन बाद में उसका जो हश्र होता है, वह सब देखते हैं। इस बिल पर जनता से राय लेनी चाहिए। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष वी. गुरुनाथम ने कहा, "बीजेपी के नए बने अध्यक्ष नितिन नवीन कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बहुत ज्यादा बोल रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं, जिन्हें भाजपा कभी भी बिना किसी शक के साबित नहीं कर पाई है। भाजपा सरकार लगभग 12 साल से सत्ता में है। एक बार भी उन्होंने भ्रष्टाचार और दूसरे मुद्दों को लेकर सोनिया गांधी या कांग्रेस पार्टी के खिलाफ उंगली तक नहीं उठाई। लेकिन आप यह कैसे कह सकते हैं कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार का दूसरा नाम है? भाजपा का यह रवैया बहुत बुरा है।" वहीं, राम मंदिर चंदे को लेकर चल रहे विवाद पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा, "पूरे देश में गुस्सा है। अब बीजेपी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर 'चंदा चोर, वापस जाओ' जैसे नारे लगा रहे हैं। आने वाले दिनों में गांवों में उनके प्रवेश पर रोक लगाने वाले बैनर लग सकते हैं और लोग उनका सामाजिक बहिष्कार भी कर सकते हैं।"

शिवराज चौहान की घोषणा- 'हर पात्र को आवास, नहीं रहेगा कोई वंचित', 29 राज्यों क ग्रामीण विकास मंत्रियों संग बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली के पूसा परिसर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' के दूसरे दिन केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर से आए 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ व्यापक मंथन किया। सम्मेलन में न सिर्फ योजनाओं की समीक्षा हुई, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में 'विकसित ग्राम-विकसित भारत' के विजन को जमीन पर उतारने के लिए ठोस रणनीतियां भी सामने आईं। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गांव केवल धूल-मिट्टी या चौपाल का नाम नहीं, बल्कि भारत की शक्ति, भारत की चेतना और भारत की आत्मा है। उन्होंने कहा कि अगर हमें समृद्ध और विकसित भारत बनाना है तो गांव को समृद्ध और विकसित बनाए बिना काम नहीं चलेगा। गांव की प्रगति के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है। पहली बार एक मंच पर देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और नीति-निर्माता एक साथ जुटे। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों और अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह सहकारी संघवाद का जीवंत उदाहरण था, जहां राजनीतिक विचारधारों से ऊपर उठकर विकास पर फोकस किया गया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांव आत्मनिर्भर, रोजगारयुक्त और बुनियादी सुविधाओं से संपन्न बनेंगे। उन्होंने गांव को 'भारत की आत्मा, शक्ति और चेतना' बताते हुए कहा कि ग्रामीण विकास ही राष्ट्रीय विकास की धुरी है। शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की कि 1 जुलाई से 'विकसित भारत- जी राम जी' योजना देशभर में लागू होगी जो मनरेगा की जगह लेगी। इसके लिए 95,692 करोड़ रुपए की अंतरिम स्वीकृति दी जा चुकी है। उन्होंने राज्यों से अपील की कि वे समय पर अपनी औपचारिकताएं पूरी करें ताकि योजना का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

सम्मेलन में 'लखपति दीदी डैशबोर्ड' लॉन्च किया गया और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ करते हुए शिवराज सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 3 करोड़ से बढ़ाकर 6 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए अगले 5 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपए का बैंक लिंकेज रोडमैप तैयार किया गया है। शिवराज सिंह ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई अहम बिंदु रखे।

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

उमेश चतुर्वेदी

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है।

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नहीं है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

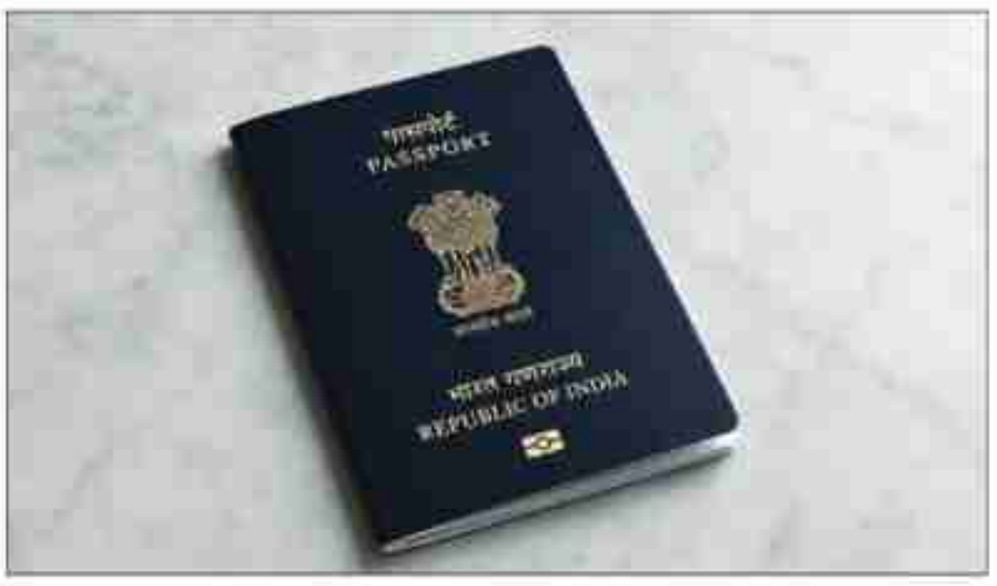

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नागरिकता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

संपादकीय

सियासी नेतृत्व का पिछड़ापन

कांगड़ा के राजनीतिक नेतृत्व के पिछड़ेपन के लिए यहां के नेताओं का भोलापन, पहचान का संकट, आपसी मतभाव तथा स्वीकार्यता की कमी मानी जा सकती है। कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी मान्यताओं ने कांगड़ा के उत्थान तो चाहा, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पक्ष बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शीर्ष पतन किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई जवाब इसे नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव की सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए। वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, मंत्रिमंडलीय बैठकें, विधानसभा का शीतकालीन सत्र और धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी का दर्जा दिया, तो प्रेम कुमार धूमल ने सचिवालय से खेल राजधानी के रुतबे से मुख्यालय को नवाजा। जयराम ने राज्य के चिंतन मनन में धर्मशाला में इन्वेस्टर मीट, जी-ट्वेंटी सम्मेलन के अलावा कई राष्ट्रीय पर्व और पहचान के इवेंट यहां आयोजित किए। वीरभद्र सिंह की रियायतों से प्रभावित सुखविंदर सुक्खू ने धर्मशाला तक कई विभागों, निगमों और बोर्डों के मुख्यालय पहुंचाए, तो संपूर्ण कांगड़ा घाटी को पर्यटन राजधानी घोषित कर-के, गग्गल एयरपोर्ट विस्तार को पर्यटन बनाया।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शांति भी सब जगह है- कण में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मकुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होता, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति। आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूंढ रहे हैं।

सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, मोदी के नाम

कमल जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑनरेरी ऑफ ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री वहां के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। इसके साथ ही पीएम मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें अभी तक 34 देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा और इस सम्मान को लेकर विवादों का पिटारा भी भारत में खुलता हुआ नजर आ रहा है। सेशेल्स टैक्स हेवन देश है। इस देश की आबादी मात्र 1.1 लाख है। यह अफ्रीका का सबसे छोटा द्वीप है। इसका कुल क्षेत्रफल 459 वर्ग किलोमीटर है। इसकी गिनती समृद्ध देश के रूप में होती है। इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टैक्स हैवन देश के रूप में है। यह देश मत्स्य पालन, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं के लिए सारी दुनिया के देशों में पहचाना जाता है। यहां पर मुश्किल से 7 से 8000 भारतीय रहते हैं। इनमें से कुछ वर्षों में लगभग 2000 भारतीयों ने वहां की नागरिकता ली है। शेष भारतीय वहां पर अस्थायी रह रहे हैं। पनामा पेपर लीक में भी इस देश का नाम आया था। उस समय भी इसमें भारतीय नागरिकों के नाम थे। जिन्होंने अपना काला धन वहां जमा किया था। 2014 में जब केंद्र की सरकार बदली, उसके बाद यह माना जा रहा था, सरकार काला धन वापस लाने के लिए विशेष प्रयास करेगी। मोदी सरकार ने पनामा पेपर लीक मामले में जिन लोगों के नाम शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कालाधन बड़ा चुनावी मुद्दा था। इस समय नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में जमा कालाधन वापिस लाने का वायदा किया था। यह भी कहा था, हर परिवार को 15 लाख रुपया यों ही मिल जाएंगे। सेशेल्स जैसे देश से भारतीयों का जमा कालाधन वापस लाने का कोई प्रयास मोदी सरकार ने नहीं किया। उल्टे विगत वर्षों में जिस तरह से टैक्स हेवन देशों का पैसा भारत के शेयर बाजार एवं कारोबार में निवेश किया गया है, उसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मामले में विनोद अडानी का नाम भी सामने आया था। सेबी और सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में बंद कर के रखा है।

इतने छोटे से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जाना, लगभग तीन दिन तक रुकना, भारत में चर्चा का विषय बन गया है। भारत सरकार का कहना है, सेशेल्स हिंद महासागर का हिस्सा है। समुद्र का एक छोटा द्वीप होते हुए भी भारत के लिए सामरिक और समुद्री व्यापार के लिए उसका बड़ा महत्व है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से सेशेल्स को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दे रही है। पनामा पेपर लीक मामले तथा शेयर बाजार में निवेश को लेकर कई आरोप सामने आ चुके हैं। भारत सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है। भारत में मोदी सरकार के लिए कई चुनौतियां सामने हैं। अयोध्या के राम मंदिर दान एवं चढ़ावे का मामला इस समय चरम पर है। कुछ ही दिनों बाद मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन शुरू हो गए हैं। विपक्ष बहुत आक्रामक है, मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होना है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स जाना विवादों में आ गया है। उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान दिया गया है, उसमें स्पेलिंग मिस्टेक और पहली बार नया सम्मान दिए जाने के कारण राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। एक छोटे से टैक्स हेवन देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी के लिए आगे चलकर कहीं कोई कठिनाई उत्पन्न ना कर दे, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई भी काम करें, उन्हें किसी भी स्तर पर कोई नुकसान हो, यह संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने वालों की संख्या कम नहीं है। इस तरह के विरोध होते ही रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस तरह के विरोध पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। सेशेल्स यात्रा को लेकर जो विवाद उत्पन्न किया जा रहा है, इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी तरह के नुकसान के रूप में होगा, यह संभव ही नहीं है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है नकली दवाओं का कारोबार

मनोज कुमार अग्रवाल

आज कल देश के हर हिस्से में बड़े पैमाने पर नकली गैर मानक दवाओं के निर्माण और विपणन का धंधा चल रहा है आपको बता दें कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निर्माता होने के कारण इसे विश्व की फार्मेसी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं बनती हैं परंतु इसमें मिलावट का धंधा तेजी पकड़ रहा है। प्राण रक्षक दवाएं भी मिलावटी एवं नकली बनने लगी हैं। थोड़ा सा अधिक कमाई करने के चक्कर में बहुत से दवा निर्माता देश में गैर मानकीकृत स्तर

की दवा का निर्माण और निर्यात कर रहे हैं।

नकली दवाओं का अवैध कारोबार एक गंभीर वैश्विक संकट है जो मरीजों की जान जोखिम में डालता है और पूरी स्वास्थ्य प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसी दवाएं जिनमें असली साल्ट या सक्रिय सामग्री नहीं होती या गलत मात्रा में होती हैं, वे नकली दवाओं के अंतर्गत आती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक दवा बाजार का लगभग 10% हिस्सा नकली दवाओं से प्रभावित है। इसमें जीवन रक्षक दवाएं (कैंसर, लिवर रोग), एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और जीवनशैली से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। इन सिंडिकेट्स अवैध फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग करके असली जैसी दिखने वाली पैकिंग तैयार करते हैं ये दवाएं पारंपरिक थोक बाजारों के साथ-साथ अनधिकृत ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से भी बेची जा रही है। एंटीबायोटिक या गंभीर बीमारियों की दवाओं में मुख्य सामग्री न होने से मरीज ठीक नहीं हो पाता। कुछ मामलों में इनमें चूहे मारने का जहर, पेंट थिनर, चाक मिट्टी या भारी मात्रा में फेंटानिल मिला दिया जाता है। दूषित रसायनों के कारण किडनी, लिवर फेल होना या अचानक मौत होने का अत्यधिक खतरा रहता है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय के दौरान घटिया व नकली दवाओं के सेवन से भारत तथा विश्व के चंद देशों में मौतों के कारण भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने और दवाओं की गुणवत्ता जांचने तथा उनके असली या नकली होने का पता लगाने के लिए दवाएं बनाने वाली इकाइयों की जांच शुरू कर रखी है इसी श्रृंखला में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने मई, 2026 के लिए जारी मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।

सी.डी.एस.सी.ओ. के अनुसार केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने 46 दवा नमूनों को नॉट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन.एस. क्यू.) घोषित किया जबकि विभिन्न राज्यों

की औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता मानकों पर विफल पाया। मई, 2026 की रिपोर्ट में असम से किसी अनधिकृत निर्माता द्वारा बनाई गई एक स्प्यूरियस (नकली) दवा का मामला भी सामने आया जिसने किसी दूसरी कम्पनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया।

इसी प्रकार केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला मुम्बई द्वारा हृदय रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एड्रेनोलिन इंजेक्शन नकली पाए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने यह इंजेक्शन बनाने वाली कम्पनी का लाइसेंस रद्द कर दिया है।

राजस्थान में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सीटोसिन इंजेक्शन सप्लाई करनेवाली कंपनी का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को जारी आदेश के अनुसार अस्पतालों में सप्लाई किए गए टोसिन (आक्सीटोसिन) इंजेक्शन जांच में नकली पाए गए और प्रयोगशाला में परीक्षण में इन इंजेक्शनों में आक्सीटोसिन की मात्रा शून्य पाई गई। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म ने असूरक्षित स्थित एक लेबोरेटरी से (जिसका लाइसेंस अब रद्द किया जा चुका है) इसको कुल 9300 डोज खरीदी थी जबकि फर्म ने रिकार्ड में 10050 डोज बिक्री दिखाई थी। ऐसे में यह जांच भी की जा रही है कि अतिरिक्त 750 इंजेक्शन कहां से आए !

राजस्थान में प्रसूताओं की मौत का मामला अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने इन मौतों के संबंध में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारत सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत सरकार को यह बताने को भी कहा है कि ये इंजेक्शन भारत के अलावा अन्य देशों में भी सप्लाई किए गए थे या नहीं और यदि ऐसा हुआ है तो किन देशों में सप्लाई हुए हैं ताकि समय रहते रोकथाम और निगरानी की कार्रवाई की जा सके।

इसी प्रकार की घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगियों की सुरक्षा तथा दवाओं की विश्वसनीयता मजबूत बनाने के लिए, अब नकली और घटिया दवाओं के हानिकारक जाल को तोड़ने के लिए वैक्सीन, एंटी कैंसर और नार्कोटिक्स दवाओं पर क्यू.आर. कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की मौत नकली दवाओं के कारण न हो। क्यू.आर. कोड में दवाई का अनूठा पहचान कोड, जैनेरिक और ब्रांड नाम, कम्पनी का नाम पता, बैच नंबर आदि सभी जरूरी जानकारियां दर्ज होंगी और बार कोड के खुलते ही दवाई के असली या नकली होने का पता चल जाएगा।

कैंसर जैसी बीमारी से रोगियों को बचाने के लिए क्यू. आर. कोड का नियम लागू करना सही है परंतु यह आदेश केवल कुछ चुनिंदा रोगों की दवाओं के लिए नहीं बल्कि सभी दवाओं पर लागू करना चाहिए ताकि नकली दवाएं किसी की मौत का कारण न बनें। इसके साथ ही ऐसे कृत्यों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करके उन्हें उचित दंड दिया जाए।

केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर अनिवार्य क्यूआर कोड लागू किया है, जिसे स्कैन करके दवा की प्रामाणिकता जांची जा सकती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और ड्रग विभाग की टीमें लगातार अवैध सिंडिकेट्स पर छापेमारी कर करोड़ों का नकली कच्चा माल जब्त कर रही हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत नकली दवाएं बनाने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर सजा और गैर-जमानती धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ता को दवाएं हमेशा लाइसेंस प्राप्त और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या प्रमाणित फार्मेसियों से ही खरीदें। दवा के पत्तों पर स्पेलिंग की गलतियां, धुंधली छपाई, और सील टूटी होने जैसी विसंगतियों पर ध्यान दें। पैकेजिंग पर मौजूद क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके बैच नंबर और निर्माता की जानकारी को सत्यापित करें हर खरीद पर कैश मेमो या पक्का बिल जरूर लें, जिस पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट स्पष्ट लिखी हो। यदि दवा लेने पर कोई असर न हो या पैकेजिंग संदिग्ध लगे, तो तुरंत अपने डॉक्टर को बताएं और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास शिकायत दर्ज कराएं। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वार्ड-7 सुदामा पुरी में इंटरलॉकिंग टाइल्स एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास

संवाददाता |

गाजियाबाद। आज वार्ड-7 सुदामा पुरी में डूडा विभाग द्वारा राजकुमार के मकान से धन्नो के मकान तक एवं सतीश के मकान से प्रेम पाल के मकान तक इंटरलॉकिंग टाइल्स एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस विकास कार्य की अनुमानित लागत 18 लाख 75 हजार है। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए माननीय शहर विधायक संजीव शर्मा जी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता शहर विधानसभा के प्रत्येक वार्ड, प्रत्येक गली और प्रत्येक नागरिक तक विकास कार्यों का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क, नाली, स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। माननीय विधायक जी ने कहा कि विकास ही उनकी राजनीति का मूल मंत्र है और बिना किसी भेदभाव के शहर विधानसभा के सभी क्षेत्रों में जनहित के कार्य लगातार कराए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा।

उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास और सहयोग से शहर विधानसभा विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

उनका संकल्प है कि शहर विधानसभा का कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित न रहे तथा प्रत्येक नागरिक को बेहतर मूलभूत सुविधाएं प्राप्त हों।

मां के डांटने से नाराज किशोरी ने घर छोड़ा

संवाददाता |

ट्रांस हिंडन। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के पसौंडा में मां के डांटने पर 14 वर्षीय किशोरी घर से चली गई। मां ने बेटी को पढ़ाई और काम को लेकर डांट दिया था। पुलिस मुकदमा दर्ज करके किशोरी की तलाश कर रही है। पसौंडा निवासी सलमा ने पुलिस को बताया कि उनकी 14 वर्षीय कक्षा आठ की छात्रा है। गर्मी की छुट्टियां होने के कारण वह छुट्टियों के काम पर ध्यान नहीं दे रही थी और घर के छोटे मोटे काम में उनका हाथ भी नहीं बंटा रही थी। इस पर 25 जून को उन्होंने बेटी को डांट दिया था। अगले दिन उनकी बेटी कुछ भी बताए बिना शाम चार बजे घर से कहीं चली गई। उन्होंने बेटी को सभी जगह तलाश किया। रिश्तेदारी और उसके दोस्तों से भी पता किया, लेकिन बेटी का कुछ पता नहीं चल सका। सलमा ने अनहोनी की आशंका जताते हुए थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि घर से आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है। जल्द ही किशोरी को तलाश कर परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

शहर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को मिली नई गति, भीम नगर में इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ

संवाददाता |

उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत शहर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य लगातार गति पकड़ रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं माननीय नगर विकास मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा जी के मार्गदर्शन में, गाजियाबाद के लोकप्रिय सांसद माननीय श्री अतुल गर्ग जी एवं शहर विधायक माननीय श्री संजीव शर्मा जी के प्रस्ताव पर वर्ष 2026-27 में नगर निगम गाजियाबाद के वार्ड संख्या-1, भीम नगर में विकास कार्यों का शिलान्यास किया मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित एवं मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत ईश्वर के मकान से लोकेश के मकान तक तथा प्रदीप के मकान से कारण दास के मकान तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया इस विकास कार्य की अनुमानित लागत 18.97 लाख रुपये है तथा इसका क्रियान्वयन जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), गाजियाबाद द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर शहर विधायक माननीय श्री संजीव शर्मा जी ने कहा कि प्रदेश सरकार के नेतृत्व में शहर विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उनका संकल्प है कि क्षेत्र की प्रत्येक सड़क, नाली एवं मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाकर जनता को एक स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि 'जनता की सेवा और क्षेत्र का समग्र विकास ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहर विधानसभा को विकास के नए आयामों तक पहुंचाने के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में भी अनेक विकास कार्य धरातल पर दिखाई देंगे।' इस अवसर क्षेत्रीय मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, पार्षद धर्मेंद्र नागर, चेयरमैन संदीप पाल, अनु चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

अहमदगढ़ में कार की टक्कर से बुलेट चालक घायल, पापड़ी नगला के पास हुआ हादसा

संवाददाता

थाना अहमदगढ़ पुलिस ने तत्काल पहुंचकर घायल को उपचार के लिए भेजा

जनपद बुलंदशहर के शिकारपुर क्षेत्र स्थित थाना अहमदगढ़ अंतर्गत गांव पापड़ी नगला के पास नहर की पटरी पर रविवार, 28 जून को दोपहर करीब 12:15 बजे एक कार की टक्कर से बुलेट सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार घायल की पहचान सुमित कुमार पुत्र जगदीश निवासी ब्रजनगला के रूप में हुई है। सुमित अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से किसी कार्य से अहमदगढ़ जा रहा था। जैसे ही वह पापड़ी नगला के समीप नहर की पटरी पर पहुंचा, तभी एक कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुमित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही थाना अहमदगढ़ पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराते हुए उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से घायल को समय पर चिकित्सा मिल सकी। थाना प्रभारी निरीक्षक किशोर दयाल गंगवार ने बताया कि घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

सिकन्द्राबाद पुलिस का बड़ा एक्शनः साइबर फ्रॉड क शिकार पीड़ितों को वापस दिलाए 2.29 लाख

संवाददाता |

बुलंदशहर थाना सिकन्द्राबाद पुलिस द्वारा जून माह में 14 शिकायतों का निस्तारण कर कुल 2,29,852/- रुपये की धनराशि अथक परिश्रम कर पीड़ितों के बैंक खाते में वापस करायी गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक अपराध नरेश कुमार के निकट पर्यवेक्षण में थाना सिकन्द्राबाद पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए जून माह में प्राप्त विभिन्न ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं साइबर फ्रॉड से सम्बन्धित 14 शिकायतों में कुल 2,29,852/- रुपये की धनराशि पीड़ितों के बैंक खातों में वापस करायी गयी है। साइबर अपराधों के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों पर थाना सिकन्द्राबाद पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए साइबर सेल एवं सम्बन्धित बैंक अधिकारियों से निरन्तर समन्वय स्थापित किया गया। पुलिस टीम द्वारा अथक परिश्रम एवं त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ितों की धनराशि को होल्ड/फ्रीज कराकर वापस कराने की कार्यवाही सफलतापूर्वक पूर्ण की गयी। पीड़ितों द्वारा थाना सिकन्द्राबाद पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

स्याना हाजीपुर : पति ने गला रेतकर पत्नी गीता की हत्या की

संवाददाता |

डायल 112 पर सूचना, 4 टीमें गठित, आरोपी मोनू की तलाश तेज, शव पोस्टमार्टम को

स्याना/बुलंदशहर।* थाना स्याना क्षेत्र के ग्राम हाजीपुर में पति-पत्नी के विवाद ने खून की वारदात को जन्म दिया। दिनांक 28.06.2026 को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि पति ने पत्नी की हत्या कर दी है। स्याना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची आरोपी मोनू पुत्र खेमचन्द, निवासी ग्राम हाजीपुर। मृतका पत्नी गीता। दोनों की शादी को करीब सात माह हुए थे। आपसी विवाद के चलते मोनू ने पत्नी गीता की गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। फील्ड यूनिट घटनास्थल पर मौजूद है और साक्ष्य जुटा रही है। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए 4 टीमें गठित की गई हैं। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

गाजियाबाद में निराश्रित, असहाय एवं जरूरतमंद व्यक्तियों एंव बच्चों के विशेष रेस्क्यू एवं जागरूकता अभियान संचालित

संवाददाता |

गाजियाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पी०आई०एल० ज्योति राजपूत बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य में पारित आदेशों के अनुपालन में जिलाधिकारी महोदय गाजियाबाद के निर्देशन तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी गाजियाबाद के मार्गदर्शन में जनपद गाजियाबाद में निराश्रित, असहाय, बेसहारा पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के चिन्हांकन एवं संरक्षण हेतु विशेष रेस्क्यू एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत रेस्क्यू टीम द्वारा हापुड़ चुंगी चौराहा, पुराना बस अड्डा, चौधरी मोड़, रेलवे स्टेशन गाजियाबाद एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर वहां मौजूद व्यक्तियों से संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान राहगीरों, दुकानदारों, वाहन चालकों एवं आमजन को भी जागरूक किया गया कि यदि उन्हें कोई निराश्रित, बेसहारा, मानसिक रूप से अस्वस्थ, भिक्षावृत्ति में लिप्त, लावारिस अथवा संकटग्रस्त महिला, पुरुष अथवा बच्चा दिखाई दे तो तत्काल इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस अथवा जिला प्रशासन को दें, ताकि ऐसे व्यक्तियों को समय रहते आवश्यक सहायता एवं संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके। अभियान में डीसीपीयू से जितेन्द्र कुमार, संरक्षण अधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन से सुपरवाईजर, श्री संजय कुमार थाना ए०एच०टी० से थानाध्यक्ष श्री सर्वेश पाल एवं उपनिरीक्षक आरिफ खान, हेड कांस्टेबल, नीलम एवं रेखा द्वारा प्रतिभाग किया गया रेलवे स्टेशन पर रेलवे चिल्ड्रन इण्डिया गैर सरकारी संगठन से शुभम चक्रवर्ती, रफीकू खान आउटरीच वर्कर ने भी योगदान किया और क्षेत्राधिकारी गाजियाबाद रेलवे स्टेशन श्री भाग चन्द मीणा से भी अभियान के विषय पर चर्चा की गयी जिनके द्वारा आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस अभियान के बारे में थाना जी०आर०पी० पर सम्पर्क किया वार्ता के दौरान साथ ही समन्वय स्थापित कर भविष्य में ऐसे अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। रेस्क्यू टीम द्वारा आमजन को यह भी बताया गया कि सड़क, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों एवं सार्वजनिक स्थानों पर रहने वाले बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों को भोजन, चिकित्सा, परामर्श, पुनर्वास तथा आश्रय की सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु शासन द्वारा विभिन्न व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं। ऐसे व्यक्तियों की सूचना देकर समाज का प्रत्येक नागरिक उनके जीवन को सुरक्षित एवं सम्मानजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे मानवता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए ऐसे जरूरतमंद व्यक्तियों की जानकारी संबंधित विभागों को उपलब्ध कराएं तथा रेस्क्यू एवं

पल्स पोलियो अभियान के सफल एवं प्रभावी संचालन हेतु 'विशाल जागरूकता रैली' आयोजित

संवाददाता |

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद में आगामी पल्स पोलियो अभियान 28 जून 2026 के सफल एवं प्रभावी संचालन हेतु आज दिनांक 27 जून 2026 को एम०एम०जी० जिला चिकित्सालय परिसर गाजियाबाद से एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद डा० अखिलेश मोहन द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि पोलियो एक गम्भीर बीमारी है, जो बच्चे को जीवनभर के लिए विकलांग बना सकती है, किन्तु समय पर पोलियो की खुराक पिलाकर इससे पूर्णतः बचाव सम्भव है। जनपद के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर अभिभावक को सन्देश देते हुए कहा कि अपने घर का 0 से 5 वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से न छूटे। पोलियो जैसी बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिये प्रत्येक बच्चे को पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि पल्स पोलियो अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। रैली में 47 पी०ए०सी० बटालियन, सिविल डिफेंस डब्लू०एच०ओ० एन०पी०एस०पी० व यू०एन०डी०पी०, जीवो डोस सभी के प्रतिनिधि, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस रैली में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एम०एम०जी० जिला चिकित्सालय डा० राकेश सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा० राकेश गुप्ता, उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा० जितेन्द्र सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी गाजियाबाद श्री जे०के० मिश्रा, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक नरेन्द्र, पी०टी० श्री अनुराग रोहिला, एस०एम०ओ० डब्लू०एच०ओ० डा० अभिषेक भी सम्मिलित थे।

गाजियाबाद में पुरानी रंजिश का खूनी अंजाम 24 वर्षीय आफताब की चाकू मारकर हत्या

'इंसाफ मांगा तो थाने की पुलिस ने दी गालियां!'

संवाददाता |

गाजियाबाद : अंकुर विहार थाना क्षेत्र के विजय विहार कॉलोनी में मंगलवार रात पुरानी रंजिश को लेकर 24 वर्षीय ऑटो-रिक्शा ड्राइवर आफताब की बेरहमी से चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद परिजनों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस के कथित अभद्र व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के जीवन गेट कॉलोनी निवासी आफताब पर विजय विहार अंडरपास के पास कुछ युवकों ने चाकू से हमला किया। हमलावरों ने उसके शरीर पर कई वार किए। गंभीर रूप से घायल आफताब को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का प्रदर्शन और पुलिस पर गंभीर आरोप बेटे की हत्या के बाद आफताब के परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। इसी दौरान अंकुर विहार थाना प्रभारी योगेंद्र पंवार पर प्रदर्शनकारियों से गाली-गलौज करने का आरोप लगा है। वायरल वीडियो में थाना प्रभारी को परिजनों से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते देखा जा सकता है, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया है। परिजनों ने कहा, 'बेटे की हत्या हो गई, हम इंसाफ मांग रहे हैं, लेकिन पुलिस हम पर ही रौब झाड़ रही है।'

पुलिस की प्रतिक्रिया

पुलिस ने मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। एसीपी अजयदीप मौर्य ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते यह घटना हुई है और जांच चल रही है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य एवं विधायक डॉक्टर सुरेंद्र चौधरी के प्रतिनिधि जितेन्द्र गौड़ के बड़े पुत्र भुपेंद्र फ्लोरेंस हॉस्पिटल में भर्ती

देखने पहुंचे उत्तराखंड सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री धीरेन्द्र प्रताप......

संवाददाता |

गाजियाबाद-राष्ट्रीय संस्था 'एक कदम नशे की ओर फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सुरेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि एक कदम नशे की ओर फाउंडेशन संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक एवं उत्तराखंड सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री "धीरेंद्र प्रताप" ने गाजियाबाद, प्रताप विहार स्थित फ्लोरेंस अस्पताल में जाकर संस्था के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं डॉक्टर सुरेंद्र चौधरी जी, M.L.C विधायक, सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि "जितेंद्र गौड़ " के बड़े सुपुत्र ", भुपेंद्र गौड़ " का कुशलक्षेम जाना इस अवसर पर धीरेंद्र प्रताप ने ईश्वर से भुपेंद्र गौड़ के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि भुपेंद्र गौड़ जल्द से जल्द पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर अपने घर लौटें। उत्तर प्रदेश के भाजपा सदस्य विधान परिषद एवं एमएलसी विधायक सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश डॉक्टर सुरेंद्र चौधरी ने उनके बड़े ही करीबी एवं प्रतिनिधि बड़े भाई जितेंद्र गौड़ जी के पुत्र भुपेंद्र गौड़ के स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना डॉक्टर सुरेंद्र चौधरी ने कहा मैं शीघ्र ही गाजियाबाद आऊंगा और अस्पताल जाऊंगा और अपने भतीजे भुपेंद्र गौड़ से मिलूंगा मैं सुरेंद्र चौधरी और मेरा पूरा परिवार और पार्टी जितेंद्र गौड़ के साथ है इसके अलावा उत्तर बिहार मंडल भाजपा के अध्यक्ष हेमराज मोदी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री भुवन जोशी, कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज, गाजियाबाद के कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष विनीत त्यागी, ब्रह्मण समाज के नेता राहुल शर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रताप विहार मंडल के पूर्व अध्यक्ष धन सिंह गौतम के अलावा जिला बुलंदशहर से जितेंद्र गौड़ के ताऊजी कश्मीर सिंह, छोटे भाई राजेंद्र गौड़, भाजपा भोपुरा मंडल के मंत्री विकास त्यागी बीटी वाला ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा नेता लवकुश त्रिवेदी, कांग्रेस नेता समीर भारद्वाज भीष्मदेव सिंह चौहान एडवोकेट चौहान मोटी ठाकुर अतुल जैन समित कश्यप अंकित वत्स व दीपक मोदी भारत त्रिवेदी ने के जी स्कूल के मालिक ने के गौड़ ने भी फोन पर हाल जान कर भुपेंद्र गौड़ का स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना इसके अलावा महाराष्ट्र प्रदेश से राजपूत सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने भी फोन पर बातचीत की गाजियाबाद शहर की लोकप्रिय विधायक संजीव शर्मा ने भी फोन पर बातचीत कर भुपेंद्र गौड़ का स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना सैकड़ों लोगों ने अस्पताल पहुंचकर भुपेंद्र गौड़ को देखा है एवं ईश्वर से स्वस्थ्य लाभ की कामना की उत्तराखंड सरकार के पूर्व एमएलसी राम कुमार वालिया ने जितेंद्र गौड़ से दूरभाष पर बातचीत कर उनके पुत्र भुपेंद्र गौड़ का स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना एवं ईश्वर से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की एक कदम नशा की ओर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि लगभग भुपेंद्र गौड़ को अस्पताल में 8 दिन हो गए हैं भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी लगातार उनसे मिल रहे हैं

30 जून को गाजियाबाद आईटीआई में वृहद अप्रेंटिस मेला, युवाओं को मिलेगा रोजगार का सुनहरा अवसर

एनसीआर की प्रतिष्ठित कंपनियां करेंगी चयन, 9,600 से अधिक मासिक स्टाइपेंड के साथ प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का भी लाभ

संवाददाता |

गाजियाबाद। निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार 30 जून 2026 (मंगलवार) को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मुरादनगर (गाजियाबाद) में वृहद स्तरीय अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी संस्थान के प्रधानाचार्य ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। मेले में गाजियाबाद एवं एनसीआर की प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयां, जिनमें विकास टेक्नोलॉजी प्रा. लि., मोसाम सिस्टम एंड टिम्स लिमिटेड तथा फ्लेम इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सहित अन्य प्रमुख संस्थान शामिल होंगे, आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों का चयन अप्रेंटिसशिप के लिए करेंगी। चयनित अभ्यर्थियों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार न्यूनतम 9,600 प्रतिमाह स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। अप्रेंटिस प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष होगी, जिसके दौरान अभ्यर्थियों को उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुख अनुभव प्राप्त होगा। प्रधानाचार्य ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून 2026 को प्रातः 10:00 बजे अपने समस्त शैक्षिक एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मुरादनगर में उपस्थित होकर मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतिभागियों की सुविधा के लिए संस्थान परिसर में ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी की गई है, जहां अभ्यर्थियों को पंजीकरण एवं कंपनियों से संवाद में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अप्रेंटिस प्रशिक्षण योजना के साथ-साथ प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत भी युवाओं को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इस योजना में आईटी, बैंकिंग, मार्केटिंग, टेलीकॉम सहित 28 विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप उपलब्ध होगी। चयनित अभ्यर्थियों को 9,000 प्रतिमाह स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा।

राम भक्त बनने से पहले प्रोफेसर थे, चंपत राय और डॉक्टर थे अनिल मिश्रा...

संवाददाता |
उत्तर प्रदेश :अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर में भक्तों की तरफ से दान दिए जाने वाले चढ़ावे की चोरी के मामले ने तूल पकड़ लिया है. सीएम योगी आदित्यनाथ के कड़े रूख के बाद एसआईटी की जांच शुरू हो गई है. ट्रस्ट के सदस्य की तरफ से 8 नामजद लोगों के खिलाफ एफआईआर के बाद हिरासत में भी लिया गया है. इस बीच हुए बड़े डेवलपमेंट में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है. आरएसएस और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े यह दोनों शख्स प्रभावशाली भूमिका में रहे. इनमें से चंपत राय जहां प्रोफेसर थे, वहीं अनिल मिश्रा डॉक्टर के पद पर थे. इसके साथ ही मामले की शिकायत करने वाले रिटायर्ड अधिकारी कौन हैं? आइए जानते हैं इससे जुड़ी अहम बातें.

केमिस्ट्री के प्रोफेसर थे चंपत राय

चंपत राय की बात करें तो वह छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ जुड़े हुए हैं. साल 1946 में यूपी के बिजनौर जिला के नगीना में बंसल वैश्य परिवार में जन्मे चंपत राय श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव बने. उन पर ट्रस्ट की मुख्य जिम्मेदारी रही. 1975 में देश में लगे आपातकाल के दौरान वह जेल भी गए. वह धामपुर के एक डिग्री कॉलेज में केमिस्ट्री के प्रोफेसर थे. हालांकि आरएसएस से जुड़ने और आपातकाल के दौरान जेल जाने के बाद उन्होंने पूरी तरह से खुद को सामाजिक कार्यों की तरफ मोड़ दिया. वह संघ के पूर्णकालिक प्रचारक बन गए.

चंपत राय का जुड़ाव विश्व हिंदू परिषद से हुआ और वह अशोक सिंघल और विनय कटियार जैसे नेताओं के विश्वस्त बने. वह राम मंदिर आंदोलन में जुड़ गए. वीएचपी में उन्होंने केंद्रीय मंत्री, संयुक्त महासचिव, अंतर्राष्ट्रीय महासचिव और संगठन उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया. यहां रणनीति और संगठन के साथ काम करने का अनुभव शामिल हुआ. चंपत राय ने मंदिर-मस्जिद विवाद के दौरान कई सारे दस्तावेज और रिकॉर्ड्स को जुटाया, जिससे हिंदू पक्ष के वकीलों को अदालती लड़ाई में मदद मिली. वह पिछले लंबे समय से राम मंदिर आंदोलन के साथ जुड़े हुए थे, जिस वजह से अयोध्या जमीन विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार ने 2020 में मंदिर निर्माण और मैनेजमेंट की देखरेख के लिए 15 सदस्यों वाले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया था. चंपत राय को इसमें अहम दायित्व सौंपा गया.

डॉक्टर से स्वयंसेवक बने अनिल मिश्रा

डॉक्टर अनिल मिश्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता और राम मंदिर आंदोलन के दौर के कारसेवक हैं. पीएम नरेंद्र मोदी ने जब राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और पूजा की थी तब अनिल मिश्रा ही यजमान बने थे. उन्होंने सातों दिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया था.

वह अयोध्या में आरएसएस के जिला कार्यवाह की भूमिका का निर्वहन कर रहे थे. इसके बाद विभाग कार्यवाह और फिर प्रांत कार्यवाह की जिम्मेदारी संभाली. उन्हें जिम्मेदार और कर्मठ कार्यकर्ता का दर्जा हासिल है.शांत और गंभीर स्वभाव के अनिल मिश्रा दरअसल सरकारी होमियोपैथी डॉक्टर थे. वह अपने पेशे के साथ ही साथ संघ की जिम्मेदारी को भी बखूबी निभाते रहे. मूल रूप से गोंडा जिले के महबूबपुर गांव के निवासी अनिल मिश्रा की पोस्टिंग अयोध्या और अगल-बगल के इलाकों में ही होती रही. 2017 में रिटायर होने के बाद आरएसएस में उनकी भूमिका के साथ ही जिम्मेदारी भी बढ़ गई. डॉक्टर मिश्र अयोध्या की लक्ष्मणपुरी कॉलोनी में रहते हैं. वह आरएसएस पदाधिकारी होने के साथ ही होम्योपैथिक बोर्ड के चेयरमैन भी रह चुके हैं. सरकारी सेवा से रिटायर होने के बाद वह रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी भी बने. वह इस ट्रस्ट के 11 स्थायी सदस्यों में शामिल रहे.

किन लोगों पर हुई FIR ?

SIT की सिफारिश के बाद जिन लोगों पर एफआईआर करवाई गई, उनमें चंपत राय के ड्राइवर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, टिन्नू के भतीजे मनीष यादव, गणना प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव, चढ़ावे की गणना करने वाले अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा, कमलेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, अभिनाश शुक्ला शामिल हैं. ये सभी ट्रस्ट के पदाधिकारियों के खास थे. चढ़ावे और नकद रकम की गिनती के काम से जुड़े हुए थे.

शिकायत कराने वाले कृष्ण मोहन कौन हैं?

राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के मामले में ट्रस्ट से जुड़े कृष्ण मोहन ने ही शिकायत दर्ज कराई है. मूल रूप से हरदोई के निवासी कृष्ण मोहन ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से पढ़ाई के बाद परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में कई सालों तक काम किया. वह बाद में भारतीय वन सेवा में चयनित हुए और महाराष्ट्र कैडर में सेवा में रहे
रिटायरमेंट के बाद वह सामाजिक गतिविधियों में शामिल हुए. 2025 के फरवरी महीने में ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल के निधन के बाद उन्हें सदस्य बनाया गया.

बांदा को बचाने क लिए एकजुट हुए युवा,जल-जंगल-पहाड़ संरक्षण का लिया संकल्प

संवाददाता |
बांदा। जिले की प्राकृतिक धरोहर जल स्रोतों,जंगलों और पहाड़ों के संरक्षण को लेकर युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने एकजुट होकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का संकल्प लिया।शहर के गोपाल पार्क,जवाहर नगर में आयोजित 'बांदा जल-जंगल-पहाड़ बचाओ अभियान' की बैठक में पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर मंथन किया गया।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बांदा में तेजी से घटते जल स्रोत, अंधाधुंध खनन,पेड़ों की कटाई और पर्यावरणीय असंतुलन भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन रहे हैं।अभियान को पूरी तरह गैर-राजनीतिक रखते हुए केवल पर्यावरण संरक्षण पर फोकस करने का निर्णय लिया गया।बैठक का संचालन अधिवक्ता राम सिंह ने किया। उमाशंकर पांडे ने कहा कि शहरों में अवैधानिक पेड़ों की कटाई पर तत्काल रोक लगाने की आवश्यकता है।अभियान को अपना समर्थन देते हुए शासन स्तर तक मुद्दा उठाने का भरोसा दिलाया।पर्यावरणप्रेमी सिद्धार्थ सिंह ने व्यावसायिक भवन पर रोक लगाने और उसके व्यावहारिक विकल्प तलाशने की जरूरत बताई।शिक्षक अभिषेक शुक्ला ने विद्यालयों की तर्ज पर पेड़ों की वैकल्पिक तरीके से शिक्षा को वास्तविक व्यवस्था देने तथा प्रत्येक घर के बाहर दो पेड़ लगाने की व्यवस्था करने का सुझाव दिया।समाजसेवी शैलेन्द्र कुमार वर्मा और अखिल प्रजापति ने जल संरक्षण,जल पुनर्भरण और प्लास्टिक के कम से कम उपयोग को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया।समाजसेवी रमेश गुप्ता और सलमान खान ने नई कॉलोनियों में 20 प्रतिशत ग्रीन बेल्ट अनिवार्य किए जाने और बड़े पैमाने पर पौधारोपण की मांग उठाई।श्याम किशोर और ओम राजपूत ने अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए जागरूकता चौपाल आयोजित करने का सुझाव दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि अभियान से जुड़े सभी सदस्य जल संरक्षण,वनीकरण,पहाड़ संरक्षण और जनजागरूकता से संबंधित अपनी लिखित कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे।वरिष्ठ समाजसेवी रमेश बाजपेई ने कहा कि यदि समाज इसी तरह एकजुट रहा तो यह अभियान बांदा में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।बैठक में पत्रकार उमाशंकर पांडे,राम सिंह, शैलेन्द्र कुमार वर्मा,माजिद अली,अमीर खान,रमेश बाजपेई,अभिषेक शुक्ला, सलमान खान,श्याम किशोर, कार्तिक आनंद,अखिल प्रजापति,सिद्धार्थ सिंह,रमेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में युवा और समाजसेवी मौजूद रहे।

बिहार में एसटीएफ जवान की मौत, ड्यूटी से लौटते समय सर्विस रिवॉल्वर से चली गोली...

तरुण कुमार सिंह जहानाबाद |
जहानाबाद: बिहार के जहानाबाद जिले में एसटीएफ जवान की गोली लगने से मौत हो जाने की घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है. घटना घोसी थाना क्षेत्र अंतर्गत चौरी गांव में देर शाम हुई. ड्यूटी पर तैनात जवान के साथ यह दुखद हादसा हो गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. STF जवान धीरज कुमार की मौत: मृतक जवान की पहचान 30 वर्षीय धीरज कुमार के रूप में हुई है. वे नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर गांव के निवासी थे. एसटीएफ में तैनात धीरज कुमार घोसी-हुलासगंज मार्ग के ग्रामीण इलाकों में ड्यूटी पर थे, तब यह घटना घटी. घायल अवस्था में उन्हें तुरंत जहानाबाद सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. सर्विस रिवॉल्वर से हुई फायरिंग: प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ड्यूटी के दौरान कमर में रखे सर्विस रिवॉल्वर से अचानक गोली चल गई. गोली लगने से जवान की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने इसे दुर्घटनावश हुई फायरिंग बताया है, हालांकि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है. घटनास्थल पर पहुंची एसडीपीओ कृति कमल: घटना की सूचना मिलते ही घोसी एसडीपीओ-2 कृति कमल तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच की. उन्होंने पुष्टि की कि मुहर्रम पर्व को देखते हुए घोसी-हुलासगंज थाना क्षेत्र के बीच 8-9 जवान कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों की धरपकड़ के लिए ग्रामीण इलाकों में गश्त पर थे.

"कानून व्यवस्था और अपराधियों के धरपकड़ के लिए पुलिस मूवमेंट कर रही थी. ड्यूटी के दौरान ही कमर में रखे सर्विस रिवॉल्वर से अचानक गोली चल गई, जिससे उनकी मौत हुई है."-कृति कमल, घोसी एसडीपीओ-2

पोस्टमार्टम के बाद राजकीय सम्मान: पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को कब्जे में लिया गया. पुलिस लाइन में राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इसके बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर अंतिम संस्कार के लिए भेज दिया गया. परिवार और गांव में छाया शोक का माहौल: धीरज कुमार की मौत की खबर सुनकर पूरे परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है. युवा जवान की असामयिक मृत्यु पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. पुलिस विभाग ने मामले की गहन जांच का आश्वासन दिया है, जबकि शोक संतप्त परिवार को सहयोग देने का भी भरोसा दिलाया गया है.

बदलेवा सरकंडी में लड़की की शादी के दौरान रसगुल्ले को लेकर विवाद, मारपीट तक पहुंचा मामला

संवाददाता |फतेहपुर से पंकज कुमार की रिपोर्ट
फतेहपुर उत्तर प्रदेश बदलेवा सरकंडी में लड़की की शादी समारोह के दौरान रसगुल्ले को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट की स्थिति बन गई।और मारपीट के दौरान लवलेश को गंभीर चोटें आई लवलेश ने बताया कि वह विकलांग है और रसगुल्ले के लिए मारपीट हुआ मारपीट करने वाला युवक फरार हो गया है सूचना पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और वहां पर मौजूद लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। घटना चर्चा का विषय बनी हुई है।

बिहार के शहर के विकास के लिए केंद्र का बड़ा ऐलान मिलेंगे 2,9 00 करोड़, समझे पूरा गणित...

संवाददाता
पटना बिहार अर्बन चैलेंज फण्ड : बिहार के शहरों को सुंदर, आधुनिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने केंद्र सरकार के 'अर्बन चैलेंज फंड' (यूसीएफ) मिशन में भागीदारी से अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस मास्टर मिशन के तहत अब बिहार के संबंधित नगर निकाय सीधे केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के साथ एमओयू कर सकेंगे। सरकार के इस कदम से बिहार के शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास करने, कमाई के नए जरिए ढूंढने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में बहुत बड़ी मदद मिलने वाली है।

बिहार के हिस्से आए 2,900 करोड़ रुपए

इस योजना के तहत केंद्र सरकार ने अर्बन चैलेंज फंड मिशन के लिए देशभर के शहरों को चमकाने के लिए एक लाख करोड़ रुपए की सहायता का प्रावधान किया है, जिसमें से बिहार के लिए पूरे 2,900 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। इस फंड से होने वाले कामों का पूरा पैसा सरकार अकेले नहीं देगी। किसी भी प्रोजेक्ट की कुल लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार और 25 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार वहन करेगी, जो कुल मिलाकर 50 फीसदी होता है। इसका सीधा मतलब यह है कि आधी रकम तो सरकार दे देगी, लेकिन बाकी बची हुई आधी (50 प्रतिशत) रकम संबंधित नगर निकायों को ऋण, बॉन्ड अथवा अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से जुटानी होगी।

लोन दिलाने के लिए हुडको को बनाया गया पार्टनर

नगर निकायों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने और इस आधी रकम को जुटाने में सहायता के लिए भारत सरकार ने 'हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन' (HUDCO) को नामित किया है, जिससे चयनित परियोजनाओं के लिए आसानी से लोन उपलब्ध कराया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, इस मिशन के तहत सिर्फ उन्हीं परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो नगर निकायों के लिए लंबे समय तक कमाई का मजबूत स्रोत बन सकें। सरकार का मानना है कि इस नई व्यवस्था से बिहार के नगर निकाय आत्मनिर्भर और वित्तीय रूप से अधिक सक्षम बनेंगे, जिससे राज्य के शहरों में योजनाबद्ध और टिकाऊ विकास को एक नई गति मिलेगी।

भरत तिवारी का परिवार नहीं सोया पूरी रात, अब किस बात का सता रहा है डर? खुद किया खुलासा...

संवाददाता |
भरत तिवारी एनकाउंटर केस..."भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में जांच जारी है लेकिन इस बीच अब एक नया विवाद सामने आ गया है. यह विवाद भरत के पिता और भाई सहित परिवार के सदस्यों पर दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) को लेकर है. पुलिस प्रशासन की ओर से मौखिक रूप से यह कहा गया था कि परिवार के खिलाफ दर्ज मामला वापस ले लिया गया है, लेकिन परिजनों का दावा है कि अब तक उन्हें इस संबंध में कोई लिखित आदेश या आधिकारिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया है. ऐसे में पुलिस के दावे पर सवाल उठने लगे हैं और परिजन असमंजस की स्थिति में हैं. भरत तिवारी के ममेरे भाई लव कुमार ने बताया है कि परिवार के सदस्यों पर दर्ज प्राथमिकी अभी भी बरकरार है. उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने कई बार मौखिक रूप से आश्वस्त किया कि परिवार का नाम केस से हटा दिया गया है, लेकिन जब भी लिखित प्रमाण की मांग की गई तो कोई दस्तावेज नहीं दिखाया गया.पूरी रात किया एसडीपीओ के फोन का इंतजारउनका कहना है कि केवल मौखिक आश्वासन से कानूनी स्थिति स्पष्ट नहीं होती और जब तक लिखित आदेश नहीं मिलता, तब तक यह मानना मुश्किल है कि प्राथमिकी वास्तव में वापस ली जा चुकी है. लव कुमार के अनुसार, गुरुवार की रात परिवार के लोगों ने जगदीशपुर के एसडीपीओ पंकज मिश्रा से फोन पर बात की. इस दौरान एसडीपीओ ने कहा कि उन्होंने उसी दिन पदभार ग्रहण किया है और उन्हें पूरे मामले की विस्तृत जानकारी नहीं है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि लगभग दस मिनट में जानकारी लेकर दोबारा फोन करेंगे. परिवार ने पूरी रात उनके फोन का इंतजार किया, लेकिन कोई कॉल वापस नहीं आया.चिंता में भरत तिवारी का परिवारअगली सुबह लव कुमार ने दोबारा सब डिविजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीपीओ) से संपर्क करने का प्रयास किया. उनका आरोप है कि उन्होंने लगातार दो से तीन बार फोन किया, लेकिन किसी भी कॉल का जवाब नहीं मिला. इससे परिवार की चिंता और बढ़ गई. उनका कहना है कि यदि वास्तव में प्राथमिकी वापस ली जा चुकी है तो संबंधित अधिकारी को इसकी जानकारी देने और आदेश की प्रति उपलब्ध कराने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए थी.भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर पहले से ही पूरे भोजपुर जिले में चर्चा का माहौल है. घटना के बाद से परिजन लगातार निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग कर रहे हैं. कई सामाजिक संगठनों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी इस मामले में पारदर्शिता और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई है. हाल ही में आयोजित श्रद्धांजलि सभाओं और विरोध कार्यक्रमों के बाद प्रशासन की भूमिका पर भी लगातार सवाल उठते रहे हैं.

बुलडोजर मॉडल का भी बाप है सुवेंदु अधिकारी का नया कानून, गुंडई की तो जिंदगी नरक...

संवाददाता |
पश्चिम बंगाल की राजनीति में सोमवार का दिन एक बड़े धमाके की तरह होगा. मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी राज्य के 54 साल पुराने कानून में बदलाव करने जा रही है. एक ऐसा 'अस्त्र' लाने जा रहे हैं, जो अपराधियों की रीढ़ तोड़ देगा. इस नए कानून को उत्तर प्रदेश के 'बुलडोजर मॉडल' से भी कई गुना अधिक घातक और सख्त माना जा रहा है. इसे लेकर पूरे बंगाल के गुंडा-बवालियों में अभी से खौफ का माहौल है. जानते हैं पूरी कहानी.

54 साल पुराने कानूनों की विदाई

बंगाल राज्य सरकार1972 में बने कानून The West Bengal Maintenance of Public Order Act, 1972 इसमें संशोधन करने जा रही है. इसे 1972 में पश्चिम बंगाल विधानसभा द्वारा पारित किया गया था और उसी वर्ष राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून लागू हुआ था.

इस कानून का संक्षिप्त इतिहास

1960 और 70 का दशक के दौर में पश्चिम बंगाल में राजनीतिक अस्थिरता, हिंसक आंदोलन और कानून-व्यवस्था की भारी समस्याएं थीं. सार्वजनिक व्यवस्था (Public Order) को बनाए रखने, उपद्रवी गतिविधियों को रोकने और अवैध अतिक्रमण पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार को विशेष शक्तियों की जरूरत थी, जिसके लिए यह कानून 1972 में लाया गया था.

'पश्चिम बंगाल में नया कानून?

लेकिन अब बंगाल सरकार 'पश्चिम बंगाल लोक सुरक्षा और असामाजिक गतिविधि नियंत्रण विधेयक, 2026' को विधानसभा में पेश करने जा रही है. उसने दशकों पुराने ढर्रे को बदल दिया है. 1972 के कानून अब आधुनिक संगठित अपराध और दंगाई मानसिकता से लड़ने के लिए नाकाफी साबित हो रहे थे. सुवेंदु अधिकारी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अब बंगाल में 'कानून का राज' होगा, न कि 'सिंडिकेट का राज', 54 सालों से चली आ रही ढील अब हमेशा के लिए खत्म होने वाली है.

7 पीढ़ियों तक होगी वसूली, कोई नहीं बचेगा!

इस कानून का सबसे खौफनाक पहलू इसका 'रिकवरी मैकेनिज्म' है. यदि कोई दंगाई सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है, तो उसकी भरपाई सिर्फ अपराधी से नहीं, बल्कि उसकी संपत्ति से होगी. कानून विशेषज्ञों का मानना है कि इसके प्रावधान इतने कड़े हैं कि एक बार दंगा करने पर अपराधी की आने वाली सात पीढ़ियां इसकी भरपाई करते-करते कंगाल हो जाएंगी. यह केवल दंड नहीं, बल्कि 'आर्थिक सबक' है, जो दंगाइयों को कानून हाथ में लेने से पहले सोचने पर मजबूर कर देगा.

बुलडोजर मॉडल का भी 'बाप' है ये बिल

उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ के मॉडल ने देशभर में दंगाइयों के बीच खौफ पैदा किया था, लेकिन सुवेंदु अधिकारी का यह नया बिल उससे भी दो कदम आगे है. इसमें 'प्रिवेंटिव डिटेंशन' (बिना मुकदमे हिरासत) और 'एक्सटर्नमेंट' (जिले से निष्कासन) जैसी शक्तियां पुलिस को असीमित अधिकार देती हैं. यह बिल दंगाइयों को पनाह देने वालों के खिलाफ भी 'जीरो टॉलरेंस' रखता है. किसी को पनाह देना भी अब दो साल की सीधी जेल का निमंत्रण होगा.

विपक्ष की रूह क्यों कांप रही है?

जैसे ही इस बिल का ड्राफ्ट सामने आया, विपक्ष के गलियारों में सन्नाटा पसर गया है. जिन नेताओं को लगता था कि वे दंगों के जरिए अपनी राजनीति चमका लेंगे, उनकी रूह अब कांप रही है. वे जानते हैं कि यह कानून न केवल गुंडों को खत्म करेगा, बल्कि उन बड़े चेहरों को भी बेनकाब करेगा जो दंगों को स्पॉन्सर करते हैं. सुवेंदु अधिकारी सरकार ने साफ कर दिया है कि दंगा करना है, तो कीमत चुकाने के लिए तैयार रहो.

शांति और सुरक्षा का नया युग

यह बिल बंगाल की तस्वीर बदल सकता है. सरकार का कहना है कि यह कानून शांतिप्रिय नागरिकों की रक्षा के लिए एक ढाल है. जो बंगाल कल तक अराजकता की आग में जलता था, वह अब अपराधियों के लिए एक कड़ी जेल साबित होगा. सोमवार को जब यह कानून विधानसभा में बहस के लिए आएगा तो देखना यह होगा कि असल में क्या हुआ.

बिहार में जदयू नेता के पिता की हत्या, पहले गोली मारी फिर गला घोट कर मार डाला..

संवाददाता |
नालंदा: बिहार के नालंदा निवासी और दिल्ली जदयू के प्रदेश महासचिव नीतीश कुमार के पिता भूषण सिंह की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है. यह वारदात पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत भदौर थाना क्षेत्र में घटित हुई है. वह मूल रूप से नालंदा के गोविंदपुर गांव के निवासी थे और वर्तमान में यहां रहकर खेती करते थे. भूषण सिंह का शव बरामद: नीतीश कुमार के अनुसार उनके पिता भूषण सिंह रोजाना की तरह गुरुवार शाम दूध सेंटर पर दूध देने गए थे. रात नौ बजे तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की. उनका फोन भी रिसीव नहीं हो रहा था. इसके बाद दिल्ली में रह रहे पुत्र नीतीश कुमार ने गांव के कुछ लड़कों को भेजा, जिन्होंने गड्ढे में भूषण सिंह का शव बरामद किया.गला घोंटने और गोली मारने का दावा:पुत्र के मुताबिक भूषण सिंह के शरीर पर गोली के निशान पाए गए हैं और उनके गले में गमछे का फंदा लगा हुआ था. हत्यारों ने हत्या करने के बाद शव को घसीटकर गड्ढे में फेंक दिया था. इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है.

जदयू नेता के पिता की हत्या

दबंगों द्वारा रंगदारी का आरोप: मृतक के पुत्र नीतीश कुमार ने गांव के ही कुछ स्थानीय दबंगों पर हत्या का सीधा आरोप लगाया है. उनका कहना है कि जब से उन्होंने यहां नया घर बनाया है और जमीन खरीदी है, तब से गांव के लोग उनसे जलन कर रहे थे. कई बार परिवार पर हमला किया गया है.

"किसी से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी, बल्कि गांव के कुछ लोग उनकी तरक्की से जलते थे. घर बनाने को लेकर पड़ोसियों ने कई बार विवाद किया था, घर पर ईंट-पत्थर चलाए थे और मां के साथ मारपीट भी की थी. मेहनत-मजदूरी का काम कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं."-नीतीश कुमार, मृतक के पुत्र

पीड़ित परिवार का गांव छोड़ने का फैसला:भूषण सिंह अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और चार बेटियों का हंसता-खेलता परिवार छोड़ गए हैं. घर के मुखिया की मौत के बाद परिवार पूरी तरह टूट चुका. सुरक्षा और डर के माहौल को देखते हुए जदयू नेता पुत्र नीतीश कुमार ने ऐलान किया है कि अब वे इस गांव को हमेशा के लिए छोड़ देंगे.

बिहार में खूनी खेल! युवक की तलवार से काटकर हत्या, बीच बचाव में आए पुलिस जवान को मारी गोली

संवाददाता || तरुण कुमार सिंह
"दरभंगा: दरभंगा के बहादुरपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के बदमाशों ने युवक सुनील साहनी की तलवार से काटकर हत्या कर दी। घटना में बीच बचाव करने आए बिहार पुलिस के सिपाही मो. नौशाद को भी गोली लगी। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से जांच शुरू कर दी है। दरभंगा जिले में शुक्रवार तड़के दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। बहादुरपुर थाना क्षेत्र के ओझौल गांव में बदमाशों ने एक युवक को तलवार और धारदार हथियार से हमला कर निर्मम हत्या कर दी। वहीं घटना के दौरान बिहार पुलिस के एक जवान को गोली मार दी गई। घायल जवान को गंभीर हालत में इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

सुबह चार बजे घर से बुलाकर किया हमला

मृतक की पहचान ओझौल गांव निवासी सुनील साहनी के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान मो. नौशाद के रूप में हुई है, जो बिहार पुलिस में सिपाही है। बताया जा रहा है कि वह छुट्टी पर अपने घर आया हुआ था। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार सुबह लगभग चार बजे किसी ने फोन कर सुनील को घर से बाहर बुलाया। घर से कुछ दूरी पर मिथिला कॉलेज के पास पहले से घात लगाए बदमाशों ने उस पर लाठी-डंडे और तलवार से हमला कर दिया। हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान मो. नौशाद को भी गोली मार दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

कुछ दिन पहले हुआ था विवाद

मृतक के पिता दिलीप साहनी ने बताया कि सुनील मछली खरीदने और बेचने का काम करता था। तीन-चार दिन पहले गांव के कुछ युवकों के साथ उसका विवाद हुआ था। उस दौरान उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि उसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। गांव में भी तनाव का माहौल है।

जांच में जुटी पुलिस, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे घटना की सूचना मिलते ही बहादुरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। बहादुरपुर थानाध्यक्ष प्रहलाद कुमार ने बताया कि हत्या के कारणों की हर पहलू से जांच की जा रही है। आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। प्रारंभिक जांच में पुरानी रंजिश का मामला सामने आया है, हालांकि सभी बिंदुओं पर जांच जारी है।

मोटरसाइकिल की जोर दार टक्कर से महिला का टूटा पैर

संवाददाता |
सीतापुर सांडा/सकरन (सीतापुर)- शनिवार को पश्चिम पुरवा मजरा सांडा निवासी स्वर्गीय महेश्वर की पत्नी शिवदुलारी अपने घर से सांडा दवा लेने जा रही थी। तभी रास्ते पर तालाब के पास यूपी 34 एस 8457 बाइक सवार ने असन्तुलित होकर महिला के टक्कर मार दी। जिससे महिला रास्ते पर दूर जा गिरी वहाँ मौजूद लोग शोर मचाने लगे तथा बाइक सवार को पकड़ लिया। बाइक सवार ने अपना नाम संदीप निवासी रेतैया कुन्नलीपुर बताया। ग्रामीणों ने घायल महिला शिवदुलारी को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सांडा में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने पैर टूटना बताकर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

1 रुपए की टोकन फ़रि 30 साल की लीज पर 40 एकड़ जमीन दे रही बिहार सरकार...

संवाददाता |

पटनाः बिहार में चीनी मिलों पटनाः बिहार में चीनी मिलों की स्थापना और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। बिहार के गन्ना मंत्री संजय पासवान ने 'बिहार गन्ना उद्योग प्रोत्साहन नीति 2026' की घोषणा की है, जिसके तहत निवेशकों को विशेष वित्तीय प्रोत्साहन और रियायतें दी जाएंगी। इस नई नीति के तहत निवेशकों को नई चीनी मिल लगाने के लिए महज 1 रुपए की टोकन राशि पर 30 वर्षों की लीज के लिए 40 एकड़ तक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने राज्य में 25 नई चीनी मिलें खोलने का बड़ा लक्ष्य रखा है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

निवेशकों को मिलेगा टैक्स में छूट

बिहार सरकार की इस नई और व्यापक प्रोत्साहन नीति के तहत निवेशकों को न केवल सस्ती जमीन मिलेगी, बल्कि कई अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय रियायतें भी दी जाएंगी। भूमि खरीद पर देय निबंधन शुल्क और स्टाम्प शुल्क की शत-प्रतिशत (100%) प्रतिपूर्ति (रिफंड) की जाएगी। मिलों की चीनी पर अगले पांच वर्षों तक राज्य वस्तु और सेवा कर (SGST) की पूरी तरह से प्रतिपूर्ति की जाएगी। 5000 टीसीडी (टन क्रशिंग प्रति दिन) क्षमता वाली नई चीनी मिल की स्थापना करने पर

निवेशकों को पांच वर्षों में 100 करोड़ रुपए का अनुदान मिलेगा। 3500 टीसीडी क्षमता की चीनी मिल स्थापित करने पर सरकार की ओर से 70 करोड़ रुपए तक की अनुदान राशि दी जाएगी।

पुरानी मिलों की अपग्रेडेशन में मदद

बिहार की ये नीति न केवल नए उद्योगों को आकर्षित करने के लिए है, बल्कि पहले से चल रही चीनी मिलों को मजबूत करने का भी काम करेगी। वर्तमान में कार्यरत चीनी मिलों की क्षमता में अगर न्यूनतम 1000 टीसीडी का विस्तार किया जाता है, तो निवेशकों को 15 करोड़ रुपए की विशेष छूट दी जाएगी। इसके अलावा, चालू मिलों के आधुनिकीकरण, अपग्रेडेशन और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप रिफाइनरी में बदलने के लिए कुल पूंजी निवेश का 20 प्रतिशत या अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा। बिहार में चीनी मिल लगाने और पुरानी मिल का विस्तार करने पर निवेशकों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

> अनुदान के साथ ही उन्हें एक रुपए टोकन राशि पर 30 वर्षों की लीज के लिए 40 एकड़ तक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।
> **संजय पासवान, गन्ना उद्योग मंत्री, बिहार**

बिहार में शुरू होगी 'गन्ना क्रांति'

गन्ना उद्योग विभाग के मंत्री संजय पासवान ने कहा कि बिहार देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जिसने गन्ना क्षेत्र के विकास के लिए चीनी मिल, डिस्टिलरी, सह-विद्युत उत्पादन और कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG) इकाइयों की स्थापना के लिए इतनी व्यापक और एकीकृत नीति लागू की है। मंत्री ने भरोसा जताया कि यह दूरदर्शी नीति राज्य में एक नई गन्ना क्रांति का आधार बनेगी। विभाग के सचिव धर्मेंद्र सिंह और ईखायुक्त अनिल कुमार झा भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

उद्योग विभाग की नीतियों से अलग

मंत्री संजय पासवान ने कहा कि अब तक इस तरह के उद्योगों के लिए निवेशकों को उद्योग विभाग की सामान्य नीतियों के तहत आवेदन करना पड़ता था, जिससे प्रक्रिया लंबी हो जाती थी। लेकिन अब इस समर्पित नीति के आने से निवेशकों को सीधे और तेजी से लाभ मिल सकेगा। इस नीति के जरिए इथेनॉल, डिस्टिलरी और हरित ऊर्जा (Green Energy) परियोजनाओं को नई रफ्तार मिलेगी, जिससे बिहार आत्मनिर्भरता की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाएगा। स्वच्छ और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

बिहार के गन्ना मंत्री संजय पासवान ने 'बिहार गन्ना उद्योग प्रोत्साहन नीति 2026' की घोषणा की है, जिसके तहत निवेशकों को विशेष वित्तीय प्रोत्साहन और रियायतें दी जाएंगी। इस नई नीति के तहत निवेशकों को नई चीनी मिल लगाने के लिए महज 1 रुपए की टोकन राशि पर 30 वर्षों की लीज के लिए 40 एकड़ तक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने राज्य में 25 नई चीनी मिलें खोलने का बड़ा लक्ष्य रखा है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

निवेशकों को मिलेगा टैक्स में छूट

बिहार सरकार की इस नई और व्यापक प्रोत्साहन नीति के तहत निवेशकों को न केवल सस्ती जमीन मिलेगी, बल्कि कई अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय रियायतें भी दी जाएंगी। भूमि खरीद पर देय निबंधन शुल्क और स्टाम्प शुल्क की शत-प्रतिशत (100%) प्रतिपूर्ति (रिफंड) की जाएगी। मिलों की चीनी पर अगले पांच वर्षों तक राज्य वस्तु और सेवा कर (SGST) की पूरी तरह से प्रतिपूर्ति की जाएगी। 5000 टीसीडी (टन क्रशिंग प्रति दिन) क्षमता वाली नई चीनी मिल की स्थापना करने पर निवेशकों को पांच वर्षों में 100 करोड़ रुपए का अनुदान मिलेगा। 3500 टीसीडी क्षमता की चीनी मिल स्थापित करने पर सरकार की ओर से 70 करोड़ रुपए तक की अनुदान राशि दी जाएगी।

पुरानी मिलों की अपग्रेडेशन में मदद

बिहार की ये नीति न केवल नए उद्योगों को आकर्षित करने के लिए है, बल्कि पहले से चल रही चीनी मिलों को मजबूत करने का भी काम करेगी। वर्तमान में कार्यरत चीनी मिलों की क्षमता में अगर न्यूनतम 1000 टीसीडी का विस्तार किया जाता है, तो निवेशकों को 15 करोड़ रुपए की विशेष छूट दी जाएगी।

इसके अलावा, चालू मिलों के आधुनिकीकरण, अपग्रेडेशन और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप रिफाइनरी में बदलने के लिए कुल पूंजी निवेश का 20 प्रतिशत या अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा। अनुदान के साथ ही उन्हें एक रुपए टोकन राशि पर 30 वर्षों की लीज के लिए 40 एकड़ तक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ की सकरन कार्यकारिणी का गठन, पदाधिकारियों ने ली शपथ

संवाददाता | सीतापुर, उत्तर प्रदेश

सांडा/ सकरन (सीतापुर) विकास क्षेत्र सकरन अंतर्गत उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन शनिवार को संपन्न हुआ। पूर्व में संपन्न हुए चुनाव में धीरेंद्र पटेल अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद शनिवार को नवगठित कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों ने सहभागिता करते हुए संगठन की मजबूती और शिक्षक हितों के संरक्षण का संकल्प लिया। गठित कार्यकारिणी में धीरेन्द्र कुमार पटेल को अध्यक्ष, मोहम्मद आरिफ को मंत्री, रवीन्द्र मिश्रा को संरक्षक, कृष्ण कांत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अभिषेक यादव को उपाध्यक्ष, संजय कुमार त्रिवेदी को संगठन मंत्री, अतुल पटेल को संयुक्त मंत्री, मनोज त्रिवेदी को उप मंत्री, विजय कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष, राधा कृष्ण दीक्षित को ऑडिटर तथा मिलन तिवारी को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार पटेल ने कहा, 'उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ सदैव शिक्षकों के सम्मान, अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। हमारी पूरी कार्यकारिणी सभी शिक्षकों को साथ लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगी। शिक्षक हितों की रक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संवर्धन तथा शासन-प्रशासन के समक्ष शिक्षकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। हम सभी साथियों के सहयोग से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।' कार्यक्रम के अंत में उपस्थित शिक्षकों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के माध्यम से शिक्षक समाज के हित में निरंतर कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया।

सपा की बैठक में सांसद और विधायक क बीच तीखी नोकझोंक,20 मिनट तक चला हंगामा

संवाददाता

समाजवादी पार्टी की बैठक में शुक्रवार को सांसद कृष्णा देवी पटेल और बबेरू विधायक विशम्भर यादव के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि बैठक का माहौल करीब 20 मिनट तक गर्म रहा। बाद में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं को समझाकर मामला शांत कराया। बैठक के दौरान विधायक विशम्भर यादव कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान किसी टिप्पणी को लेकर सांसद कृष्णा देवी पटेल नाराज हो गईं। उन्होंने विधायक पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उनके साथ लगातार अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह पहले भी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से शिकायत कर चुकी हैं। इस पर विधायक विशम्भर यादव ने भी कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनसे तमीज से बात की जाए और मैनेजर अपने न समझें। आरोप-प्रत्यारोप का कहना था कि उनकी टिप्पणी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संदर्भ में थी, लेकिन सांसद ने उसे अपने ऊपर समझ लिया, जिससे विवाद की स्थिति बन गई। हंगामे के दौरान बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दोनों नेताओं को शांत कराया। इसके बाद बैठक की कार्यवाही आगे बढ़ सकी। घटना के बाद सांसद के पति एवं पूर्व मंत्री शिवशंकर सिंह पटेल ने कहा कि यह पार्टी का आंतरिक मामला है। बैठक में जो कुछ हुआ, उसकी जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दी जाएगी और उनके सामने पूरी बात रखी जाएगी। उन्होंने विवाद पर सार्वजनिक टिप्पणी करने से भी इनकार किया। घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। समाजवादी पार्टी की तैयारियों के बीच पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं के बीच सार्वजनिक रूप से हुआ विवाद संगठन की अंदरूनी खींचतान को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है।

पटना कोचिंग विवाद: 30 जून तक खान सर की गिरफ्तारी पर पुलिस ने सबमिट की अपडेट कस डायरी..

संवाददाता

पटनाः पटना कोचिंग विवाद और फायरिंग मामले में फैसल खान उर्फ खान सर को कोर्ट से राहत मिली है. पटना सिविल कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और 30 जून 2026 तक बढ़ा दिया है. तब तक उनके खिलाफ किसी भी दंडात्मक या कठोर कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा बनी रहेगी. मंगलवार के दौरान कदम कुआं थाना क्षेत्र के अधिकारी ने कोर्ट में अपडेट केस डायरी पेश की है. अब इस मामले की 30 जून को सुनवाई होगी.

*** * कोर्ट में अपडेट केस डायरी पेश.**

* शुक्रवार को जांच अधिकारी ने कोर्ट के पिछले आदेश का पालन करते हुए पूरी तरह से अपडेट केस डायरी पेश की है. पिछली सुनवाई के दौरान पुलिस ने अधूरी डायरी पेश की थी जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई थी. डायरी पेश किए जाने के बाद खान सर के वकीलों ने कोर्ट से तुरंत अंतिम बहस करने का आग्रह भी किया है.. हालांकि लोक अभियोजक के वकीलों ने इसका विरोध किया और अपडेट के डायरी का अध्ययन करने के लिए कोर्ट से समय मांगा था. अनुरोध स्वीकार करते हुए कोर्ट ने डायरी की समीक्षा के लिए तीन दिन का समय दिया और अगली सुनवाई के लिए 30 जून की तारीख तय की गई है.

*** खान सर पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं...**

* आपको बता कर चलें की सुनवाई के बाद खान सर के वकील अरविंद कुमार मौर्य ने कहा कोर्ट द्वारा मांगी गई अपडेट केस डायरी आज सुबह जांच अधिकारी द्वारा पेश कर दी गई है. अब इस मामले में बहस मंगलवार 30 जून को होगी. चाहे वह खान साहब हो उनके कलीग्स हो या स्टाफ सब को अंतिम और नियमित जमानत याचिकाओं पर अब एक साथ मंगलवार को ही सुनवाई होगी. खान सर को कोर्ट से पहले ही सुरक्षा मिल चुकी है और वह पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं.

*** * सारे मामले एक साथ टैग...**

* बता दें कि इस मामले में शामिल खान सर के दो पर्सनल बॉडीगार्ड अभी बेऊर जेल में बंद है 30 जून का दिन इसलिए अहम हो गया है क्योंकि कोर्ट ने जेल में बंद बॉडीगार्ड की रेगुलर जमानत या अर्जी को मुख्य मामले के साथ टैग कर दिया है. इसका मतलब है कि अब सभी आरोपियों के मामले एक फैसला मंगलवार को ही कोर्ट में होगा..

कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल, मेडिकल कॉलेज रेफर

संवाददाता |

(महराजगंज) जिले के गोरखपुर हाईवे पर रविवार दोपहर करीब दो बजे श्यामदेउरवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के सामने कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार 60 वर्षीय अयोध्या गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, कार में तीन युवक सवार थे, जो महराजगंज से गोरखपुर की ओर जा रहे थे। तीनों युवक वाराणसी के निवासी हैं और एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। वे अपने कार्य के सिलसिले में श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के परतावल आए हुए थे। इसी दौरान पीएचसी की ओर जा रही अयोध्या गुप्ता की मोटरसाइकिल से कार की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पहचान स्वर्गीय श्यामसुंदर गुप्ता के 60 वर्षीय पुत्र अयोध्या गुप्ता के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही श्यामदेउरवा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। श्यामदेउरवा थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि घायल का इलाज मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में चल रहा है। तहरीर मिलने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक सप्ताह तक सड़क पर पड़ा रहा पेड़, हादसे में मुंबई से लौटे युवक की मौत, भाई की हालत नाजुक

संवाददाता / फतेहपुर से संवाददाता पंकज कुमार

फतेहपुर, जनपद के किशनपुर थाना क्षेत्र के बरौली-कहेरा के पास तौली-किशनपुर मार्ग पर आंधी में गिरा शीशम का पेड़ पूरे एक सप्ताह तक सड़क पर पड़ा रहा। रविवार रात पेड़ से टकराकर बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक की पहचान सुरेन्द्र कुमार निर्मल (38) निवासी बलियापुर के रूप में हुई है। वह मुंबई से वापस गांव आ रहा था। उनके परिवार में दो बेटे व एक बेटी है। घायल युवक छोटू निर्मल (25) भी बलियापुर का ही निवासी है जो अपने बड़े भाई सुरेन्द्र को लेने गया था।

छोटू को पहले खागा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मार्ग काफी व्यस्त है। इस सड़क से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। पुलिस भी दिन में कई बार इसी मार्ग से गश्त करती है। इसके बावजूद सात मीटर चौड़ी सड़क पर तीन मीटर तक फैले पेड़ को हटाने की जहमत न वन विभाग ने उठाई, न ही पुलिस ने बैरिकेडिंग या चेतावनी बोर्ड लगाने की व्यवस्था की।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर पड़े पेड़ से टकरा गई। हादसे में सुरेन्द्र की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक मार्ग पर इस तरह का अवरोध एक घंटे भी नहीं रहना चाहिए। समय रहते कार्रवाई होती तो जान बच सकती थी।

ग्रामीणों ने लापरवाही की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की मांग उठाई है

मरीजों को एक्सपायरी ग्लूकोज चढ़ाने का आरोप, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर प्रश्न

सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का दावा कर रही है, वहीं जिला अस्पताल में मरीजों को कथित रूप से एक्सपायरी डेट की ग्लूकोज और इंजेक्शन लगाए जाने के आरोपों

संवाददाता | अजीत यादव

उत्तर प्रदेश सरकार जहां सरकारी अस्पतालों में बेहतर और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, वहीं रायबरेली के जिला अस्पताल से सामने आए एक मामले ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।आरोप है कि जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों को मार्च 2026 में एक्सपायर हो चुकी ग्लूकोज की बोतलें चढ़ाई जा रही हैं। इतना ही नहीं, तीमारदारों का आरोप है कि एक्सपायरी डेट के इंजेक्शन और ग्लूकोज लगाए जाने से कुछ मरीजों की हालत भी बिगड़ गई।पीड़ितों का कहना है कि मामले की शिकायत अस्पताल प्रशासन से की गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद डायल-112 पुलिस को भी बुलाया गया, लेकिन वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली।तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि गंभीर बीमार मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब सरकार मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित इलाज उपलब्ध कराने के लिए लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का दावा कर रही है।

ऐसे में जिला अस्पताल में लगे इन आरोपों ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।फिलहाल इस मामले में अस्पताल प्रशासन का पक्ष सामने आना बाकी है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह गंभीर लापरवाही मानी जाएगी और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग तेज हो सकती है।

घरेलू विवाद में नाबालिग बहन ने भाई पर कैंची से किया हमला, युवक गंभीर

महराजगंज। जिले के पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर परसौनी गांव में रविवार को घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के दौरान नाबालिग सौतेली बहन ने अपने बड़े भाई पर कैंची से हमला कर दिया। हमले में 26 वर्षीय अखिलेश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, मंगलपुर परसौनी निवासी अखिलेश सिंह (26), पुत्र स्वर्गीय जुगल किशोर, का अपनी मां किरण देवी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान अखिलेश अपनी मां के साथ मारपीट कर रहा था। इसी बीच पास में मौजूद उसकी नाबालिग सौतेली बहन बीच-बचाव करने पहुंची। दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई और गुस्से में बहन ने कैंची से अखिलेश के पेट पर वार कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुरन्दरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पुरन्दरपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चौकी प्रभारी जांच आशुतोष पाठक ने बताया कि घायल युवक का इलाज चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है और प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे आरसीपी सिंह, नहीं हो सके मुलाकात, पहले माने जाते थे करीबी.

संवाददाता |

पटनाः बिहार की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई. पूर्व केंद्रीय मंत्री और जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने 7 सर्कुलर रोड स्थित आवास पहुंचे. उस समय नीतीश कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे थे. आरसीपी सिंह भी वहां मौजूद रहे, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक नीतीश कुमार ने उनकी ओर न तो देखा और न ही उनसे बातचीत की. बताया जा रहा है कि नीतीश अन्य कार्यकर्ताओं से मिलते रहे, जबकि आरसीपी सिंह बिना मुलाकात किए लौट गए. बिहार की राजनीति में रामचंद्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) लंबे समय तक नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शुमार रहे. 1984 बैच के बिहार कैडर के आईएएस अधिकारी रहे आरसीपी सिंह ने लंबी प्रशासनिक सेवा के बाद जेडीयू ज्वाइन की और तेजी से पार्टी में ऊंचे पदों तक पहुंचे. संगठन, चुनावी रणनीति और बड़े

फैसलों में उनकी अहम भूमिका रही. नीतीश कुमार ने उन्हें राज्यसभा भेजा और बाद में जेडीयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बनाया. उन्हें नीतीश का 'राइट हैंड' माना जाता था.

कब आई थी रिश्तों में दरार

2021 में वे केंद्र सरकार में इस्पात मंत्री बने, लेकिन इसके बाद जेडीयू से उनके रिश्तों में दरार आ गई. 2022 में जब जेडीयू ने उन्हें दोबारा राज्यसभा नहीं भेजा तो मतभेद खुलकर सामने आ गए. संपत्ति को लेकर सवाल उठे और आरसीपी सिंह ने जेडीयू से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है. इसके बाद उन्होंने अपनी नई पार्टी 'आप सबकी आवाज (ASA)' बनाई और बिहार में अलग पहचान बनाने की कोशिश की.

अब लगाई जा रही सियासी अटकलें

हालांकि नई पार्टी को खास सफलता नहीं मिली. लोकसभा और अन्य चुनावों में उनका प्रभाव सीमित रहा, लेकिन वे बिहार की राजनीति में सक्रिय बने रहे और नीतीश सरकार व जेडीयू की नीतियों पर सवाल उठाते रहे. अब लंबे समय बाद आरसीपी सिंह का नीतीश कुमार से 7 सर्कुलर रोड स्थित आवास पर मुलाकात करना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है.

बच्चों को पल्स पोलियो ड्रॉप पिलाकर सदर विधायक ने किया अभियान का शुभारंभ

संवाददाता |

(महराजगंज) जिला महिला अस्पताल (एमसीएच विंग) में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. नवनाथ प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. के.पी. सिंह तथा अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की। यह अभियान 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. ए.के. द्विवेदी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए.बी. त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक पिलाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम की सराहना करते हुए कहा कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों तक भी अभियान की पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। सीएमओ डॉ. नवनाथ प्रसाद और सीएमएस डॉ. ए.के. द्विवेदी ने बताया कि जिले के सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा बस स्टेशनों, प्रमुख चौराहों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर ट्रांजिट टीमें भी तैनात की गई हैं, जिससे यात्रा के दौरान भी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जा सके। एसीएमओ डॉ. के.पी. सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ. नीरज कन्नौजिया तथा अन्य अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं और अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

स्वदेशी स्वावलंबी भारत अभियान की बैठक हुई संपन्न

अजीत यादव

लालगंज रायबरेली। रायबरेली जनपद के विकासखंड लालगंज में स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान की बैठक का आयोजन ब्लॉक प्रमुख संयोजक सचिन त्रिवेदी लालगंज के नेतृत्व में किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। इस बैठक में आए हुए प्रांत संयोजक अमित सिंह वत्स एवं जिला संयोजक अनुपम श्याम श्रीवास्तव ने लालगंज ब्लॉक के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ भारत में बनी हुई वस्तुओं का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने के लिए एवं जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए के विषय में चर्चा की गयी। प्रांत संयोजक अमित सिंह वत्स ने प्रधानमंत्री मोदी जी के मन की बात के बारे में लोगों को अवगत कराया और कहा कि लोग स्वावलंबी बनकर अपने देश का विकास कर सकते हैं। लोगों को आत्मनिर्भर बनना चाहिए और सरकार द्वारा लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए, उद्यम करने के लिए, युवाओं को रोजगार देने के लिए अनेकों प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। लोग नौकरी करने वाले नहीं बल्कि स्वयं नौकरी देने वाले बनें। स्वदेशी जागरण मंच के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया जा रहा है और महिलाओं को आगे लाने का प्रयास किया जा रहा है। लोग स्वावलंबी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जानकारी प्राप्त करें, लालगंज ब्लॉक एवं अन्य ब्लॉक में स्वदेशी जागरण मंच के कार्यालय खोले गए हैं जिसमें लोग जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं और अपना उद्यम खोलकर अपने ही देश में उत्पादन करें और उत्कृष्ट वस्तुओं का आदान-प्रदान करें। रायबरेली जिला संयोजक अनुपम श्याम श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में विभिन्न प्रकार की ट्रेनिंग सेंटरों की व्यवस्था है जिसमें लोग ट्रेनिंग प्राप्त करके आत्मनिर्भर बन सकते हैं और लोगों को रोजगार दे सकते हैं। जिला संयोजक ने रायबरेली जिले के द्वारा बनी हुई एक प्रसिद्ध प्रांत संयोजक को उपहार स्वरूप के रूप में भेंट की। औद्योगिक सदस्यों को अवगत कराया इसी तरह की वस्तुओं को बनाकर हम लोग दूसरे देशों को भी प्रदान कर सकते हैं और अपने रोजगार को संचालित कर सकते हैं। किसान भाइयों से अपील किया कि अपने खेतों में ज्यादा से ज्यादा जैविक खाद का प्रयोग करें। इस बैठक में लालगंज ब्लॉक के पदाधिकारी सचिन त्रिवेदी, बाबू तिवारी, मनोज सिंह, आदर्श कुमार द्विवेदी, राकेश तिवारी, अमिता वर्मा, मोहित सिंह, संजू मिश्रा, पंकज सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

घायल एवं असहाय पशुओं की सेवा सबसे बड़ा मानवीय धर्म : विधायक पुरन्दर मिश्रा

'Arham Always Care' पशु एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ, पशु संरक्षण एवं सेवा के लिए अभिनव पहल

करण बन्सोर- रायपुर

रायपुर उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा Arham Yuva Seva Group एवं श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन गुजराती संघ, रायपुर द्वारा आयोजित 'Arham Always Care' पशु एम्बुलेंस सेवा के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सेवा को समर्पित इस अभिनव पहल का शुभारंभ करते हुए कहा कि किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल मानव सेवा से नहीं, बल्कि मूक एवं असहाय प्राणियों के प्रति उसकी संवेदनशीलता से भी होती है।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि घायल, बीमार एवं असहाय पशुओं को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई यह पशु एम्बुलेंस सेवा न केवल सराहनीय है, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और जीवदया की भावना को भी मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि पशु भी हमारी सृष्टि का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनकी रक्षा एवं सेवा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

उन्होंने Arham Yuva Seva Group एवं श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन गुजराती संघ की इस मानवीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनते हैं।

यह अभियान केवल पशुओं के उपचार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लोगों में जीवों के प्रति दया, संवेदना और जिम्मेदारी का भाव भी विकसित करेगा। श्री मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि 'Arham Always Care' पशु एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में घायल, बीमार एवं बेसहारा पशुओं को समय पर उपचार मिलेगा, जिससे अनेक मूक प्राणियों का जीवन बचाया जा सकेगा। उन्होंने इस सेवा से जुड़े सभी सेवाभावी कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों एवं सहयोगियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, कुलदीप जुनेजा, लोकेश कावड़िया, डॉ. कृतिका जैन, जैन समाज के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसके सफल संचालन की कामना की।

30 जून को बुलन्दशहर में रोजगार मेला, 8 निजी कंपनियां करेंगी भर्ती

संवाददाता

बुलंदशहर। जिला सेवायोजन कार्यालय (मॉडल करियर सेंटर) द्वारा 30 जून 2026 को प्रातः 11:00 बजे सीआईएमटी कॉलेज, चन्देरू, सिकन्द्राबाद रोड, बुलंदशहर में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र की 8 कंपनियां भाग लेंगी, जहां हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक एवं आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को बायोडाटा साथ लाना अनिवार्य होगा। साथ ही सेवायोजन विभाग की वेबसाइट rojgaarsangam.up.gov.in एवं भारत सरकार के ncs.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण भी आवश्यक है। यह जानकारी जिला सेवायोजन अधिकारी आर.पी. सिंह ने दी।

बुलंदशहर सिकंद्राबाद के हाई वे पर डग्गेमार बस में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से मची अफरातफरी

संवाददाता

बता दें की अचानक जब कोई हादसा हो जाता है तो तो आसपास के इलाके में हड़कंप मच जाता है और भागदौड़ कर उसका रेस्क्यू करने की कोशिश की जाती है और स्थानीय पुलिस को सूचना दी जाती है तब जाकर रेस्क्यू सफल हो पाता है यह हादसा चाहे पानी का हो या आग का या एक्सीडेंट का। ऐसा ही एक मामला उ०प्र के जिला बुलंदशहर के तहसील सिकंद्राबाद हाई वे सिरोधन कट से लगभग 500 मीटर दूरी पर एक डग्गेमार बस में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से यात्रियों में अफरातफरी मच गयी और आनन-फानन में जैसे तैसे जान बचायी सूचना पर स्थानीय पुलिस व फायर बिग्रेड को भी सूचना दी गई सूचना पर स्थानीय पुलिस व फायर बिग्रेड टीम मौके पर पहुंच गयी और आग पर काबू पाने का कार्य शुरू कर दिया लगभग पौन घंटे की मेहनत मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

एफ०एस०ओ अतुल त्रिपाठी ने बताया की फायर विभाग को लगभग सुबह 8 बजे सूचना मिली थी की सिकंद्राबाद के हाई-वे सुल्तानपुर जाट चौक से पहले व सिरोधन कट से आगे एक डग्गेमार बस में आग लग गयी है तभी हमारी फायर बिग्रेड टीम घटनास्थल पर पहुंच गयी और रेस्क्यू शुरू कर दिया लगभग पौन घंटे में आग पर काबू पा लिया गया है।

यात्रियों ने बताया की इस बस के इंजन की तरफ से अचानक आग सुलगने लगी और इस आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जिससे बस में अफरातफरी मच गयी और आनन-फानन इस हादसे में कूद फांद कर जान बचाई गयी इस हादसे में किसी की हताहत होने की खबर नहीं है और बताया की बस में लगभग 45 सवारी सफर कर रही है। यह बस दिल्ली कोशाम्बी से चलकर गया अनूपशहर की तरफ जा रही है तभी सिकंद्राबाद पार करते समय यह हादसा हो गया इस हादसे में हमारे कपड़े व अन्य सामान एवं नकदी जलकर खाक हो गयी। और बस भी जलकर खाक हो गयी।

ऑटो और बाइक क बीच आमने-सामने की टक्कर,दो घायल

(महराजगंज) महराजगंज-गोरखपुर हाईवे पर श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के बसहिया बुजुर्ग के पास मंगलवार को ऑटो और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो चालक और बाइक सवार घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार, ऑटो चालक नाथू चौहान (35), पुत्र रामआसरे चौहान, थाना पिपीली क्षेत्र के सोहौना राजा के निवासी हैं। वह भारत पेट्रोल पंप से सीएनजी भरवाकर श्यामदेउरवा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गोरखपुर से महराजगंज की तरफ आ रही बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो चालक के हाथ में चोट आई, जबकि बाइक सवार भी घायल हो गया। बाइक पर दो लोगों के सवार होने की बात सामने आई है, जिनमें एक की पहचान गोरखपुर निवासी सुनील के रूप में बताई जा रही है। मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक अंजनी कुमार ने बताया कि घायल बाइक सवार को उपचार के लिए तत्काल सीएचसी भेजा गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया है।

थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। घायलों का इलाज कराया जा रहा है। मामले में तहरीर मिलने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बिहार के भोजपुर में एनकाउंटर पर आर पार, 5 जुलाई को बहुजन महापंचायत का ऐलान...

पिछले दिनों बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर के बिलौटी गांव में भरत तिवारी के समर्थन में एक महापंचायत हुई थी. अब इसके जवाब में एक और महापंचायत बुलाने का ऐलान कर दिया गया है. यह नई महापंचायत 5 जुलाई को जगदीशपुर में आयोजित की जाएगी. इसके आयोजकों का कहना है कि वे इस कार्यक्रम के जरिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मजबूत करेंगे. इसमें बहुजन समाज के लाखों लोगों की भीड़ जुटाने का दावा किया जा रहा है.

कहां होगी यह नई महापंचायत और किसने बुलाया?

इस कार्यक्रम का नाम बहुजन महापंचायत रखा गया है. यह 5 जुलाई को जगदीशपुर के लाल बिहारी सिंह टोला हाई स्कूल मैदान में होगी. इस महापंचायत को बहुजन आर्मी नाम का एक संगठन बुला रहा है. बहुजन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डन दास ने सोशल मीडिया के जरिए दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज के लोगों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की है.

महापंचायत बुलाने की असली वजह क्या है?

गोल्डन दास ने एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में बताया कि यह महापंचायत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को समर्थन देने के लिए है. भरत तिवारी के एनकाउंटर के विरोध में सवर्ण समाज ने बिलौटी गांव में महापंचायत की थी. उसी के जवाब में अब बहुजन समाज एकजुट होकर सरकार के पक्ष में खड़ा हो रहा है. गोल्डन दास ने यह भी कहा कि आने वाले समय में दिल्ली में भी ऐसी ही महापंचायत की जाएगी.

पोस्टर में लालू, नीतीश और मायावती की तस्वीर

5 जुलाई को महापंचायत के लिए सोशल मीडिया पर जो पोस्टर शेयर किए जा रहे हैं, वे काफी चर्चा में हैं. इन पोस्टरों में भगवान बुद्ध, सम्राट अशोक और डॉ. भीमराव अंबेडकर के साथ-साथ लालू यादव, कर्पूरी ठाकुर, नीतीश कुमार, रामविलास पासवान, मायावती और मुलायम सिंह यादव जैसे बड़े नेताओं की तस्वीरें भी लगाई गई हैं.

24 जून को हुई थी भरत तिवारी क समर्थन में महापंचायत

इससे पहले 24 जून को भरत तिवारी के समर्थन में बिलौटी गांव में बड़ी महापंचायत हुई थी. इसमें यूपी और बिहार के कई इलाकों से लोग आए थे. उस पंचायत में पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए दोषी पुलिस वालों की गिरफ्तारी की मांग की गई थी. साथ ही सरकार को भरत तिवारी के श्राद्ध तक का अल्टीमेटम दिया गया था. जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी उस कार्यक्रम में शामिल हुए थे.

17 जून को कैसे हुआ था भरत तिवारी का एनकाउंटर?

भोजपुर के बिलौटी गांव के रहने वाले भरत तिवारी की 17 जून को पुलिस की गोली लगने से मौत हो गई थी. परिवार का आरोप है कि उसने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया था, फिर भी उसे 5 गोलियां मारी गईं. परिवार की शिकायत पर तत्कालीन एसडीपीओ और थानेदार समेत कई पुलिस वालों पर हत्या का केस दर्ज हुआ है. भरत तिवारी बाढ़ पीड़ितों की आवाज उठा रहा था, लेकिन उसके पास एक अवैध पिस्टल भी थी. पुलिस का कहना है कि उसने थानेदार पर पिस्टल तान दी थी और वह मानसिक रूप से बीमार था. अब इस पूरे मामले की जांच के लिए सीएम सम्राट चौधरी ने पटना हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस विनोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग बना दिया है.

सपा जिला कार्यालय पर धूमधाम से मनाई गई भामाशाह जयंती

बुलन्दशहर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर सोमवार को राष्ट्रभक्त दानवीर भामाशाह की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भामाशाह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके त्याग, राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भामाशाह का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपना सर्वस्व राष्ट्रहित में समर्पित कर इतिहास में अमिट स्थान बनाया। उनके आदर्श आज भी समाज को सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हैं। इस अवसर पर सपा जिला महासचिव कृष्णपाल यादव, मजदूर सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी चंद्रपाल सिंह, अमित त्यागी, फिरे सिंह प्रजापति, व्यापार सभा के जिला अध्यक्ष हरीश अग्रवाल, व्यापार सभा के जिला महासचिव समर सिंह, नवाब सिंह जलाली, मुख्तार भाई,

राम मंदिर चंदा चोरी में छापेमारी, टीनू के घर ताला, आठ आरोपी के घर से 79.85 लाख बरामद...

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के सभी आठ आरोपियों के घर दबिश की सूचना पुलिस ने एक साथ दबिश दी। टीमें एक साथ सभी के घर पहुंचीं। परिजनों से पूछताछ शुरू की। साथ ही पड़ोसियों से बातचीत करके जानकारी जुटाई। पुलिस टीम अनुकल्प मिश्रा, अवनीश शुक्ला, मनीष यादव, टिन्नू यादव समेत अन्य आरोपियों के आवासों पर पहुंची। घरों की तलाशी लेने के साथ मौजूद परिजनों के बयान दर्ज किए। जांच के दौरान स्थानीय लोगों को भी अपने बयान और साक्ष्य पुलिस के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के घरों के प्रवेश द्वार पर पुलिस बल तैनात रहा, ताकि जांच में किसी प्रकार का व्यवधान न हो और अनधिकृत लोगों का प्रवेश रोका जा सके। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर एफआईआर दर्ज किया गया था। जबकि, शुक्रवार को सभी आठ आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था। अब पुलिस साक्ष्य जुटाने और मामले की विवेचना को आगे बढ़ाने में जुटी है।

अविनाश शुक्ला का घर सील

इसी क्रम में कौशलपुरी फेस-एक में आरोपी अविनाश शुक्ला के किराये के मकान पर भी पुलिस ने कार्रवाई की। जांच के दौरान मकान के प्रवेश मार्ग पर ताला लगाकर क्षेत्र को पुलिस निगरानी में ले लिया गया। पुलिस मौके पर जांच-पड़ताल में जुटी है। मामले में अब तक सात आरोपियों से करीब 79 लाख रुपये की बरामदगी हो चुकी है। इनमें सबसे अधिक करीब 20 लाख रुपये अविनाश शुक्ला के पास से बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस सभी आरोपियों के आवासों पर साक्ष्य जुटाने और मामले की गहन जांच कर रही है। बताते चलें कि बीती छह जून को राम मंदिर की चढ़ावा धनराशि में से चोरी का मामला सामने आया था। बाद में मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर प्रदेश सरकार ने एसआईटी गठित की। दो दिन पहले एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी। इसके बाद गुरुवार की शाम को मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने गणना में शामिल कर्मियों अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय और रामशंकर मिश्रा व पर्यवेक्षणीय कर्मी सुभाष श्रीवास्तव व महामंत्रिक चंपत राय के वाहन चालक रामशंकर उर्फ टिन्नू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

कर्मियों ने चढ़ावा धनराशि की चोरी की

रामजन्मभूमि थाने में दर्ज एफआईआर में कृष्ण मोहन ने बताया कि मंदिर में चढ़ावा धनराशि के गबन/चोरी के संबंध में एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी रिपोर्ट से यह तथ्य प्रकाश में आया है कि गणना प्रक्रिया में संलग्न कुछ कर्मियों ने भेंट/चढ़ावा धनराशि की चोरी की है। पर्यवेक्षणीय कार्य में लगे सुभाष श्रीवास्तव और वाहन चालक रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू की भूमिका भी प्रथम दृष्टया है। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दिमाग को खोखला कर रही है मोबाइल की लत, डॉक्टर ने बताया नींद और थकान का खौफनाक सच....

आज की जिंदगी में इंसान शायद ही कभी सच में शांत बैठ पाता है. पहले लंबा सफर खिड़की के बाहर देखते हुए कट जाता था, लाइन में इंतजार करते समय लोग आसपास की चीजों को महसूस करते थे और रात को सोने से पहले दिमाग खुद-ब-खुद धीमा पड़ जाता था. लेकिन अब हर खाली पल किसी न किसी स्क्रीन से भर चुका है. कभी मोबाइल नोटिफिकेशन, कभी छोटे वीडियो, कभी पॉडकास्ट, तो कभी लगातार आने वाले मैसेज. ऐसे में दिमाग को असली आराम मिल ही नहीं पा रहा.

क्या इससे हमारे ऊपर असर पड़ रहा है?

न्यूरोसाइंटिस्ट्स का कहना है कि लगातार मिलने वाला यह बैकग्राउंड स्टिमुलेशन इंसान के दिमाग के काम करने के तरीके को बदल रहा है. बाहर से देखने पर भले कोई इंसान आराम करता दिखाई दे, लेकिन दिमाग लगातार एक्टिव रहता है. यही वजह है कि आजकल लोग बिना ज्यादा शारीरिक मेहनत किए भी मानसिक रूप से थका हुआ महसूस करते हैं.

क्या इंसान ब्रेन हमेशा एक्टिव रहने के लिए बना है?

हेमोरेज हॉस्पिटल्स के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ प्रभु ने TOI को बताया कि, इंसानी दिमाग को कभी भी इस तरह लगातार एक्टिव रहने के लिए नहीं बनाया गया था. पहले दिमाग को छोटे-छोटे ऐसे पल मिल जाते थे, जब दिमाग खुद शांत हो जाता था. लेकिन अब हर खाली जगह डिजिटल चीजों से भर चुकी है. डॉ प्रभु कहते हैं कि स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, लगातार आने वाले नोटिफिकेशन और हर समय जुड़े रहने का दबाव इंसानी दिमाग को लगातार एक्टिव रखता है.

हमेशा एक्टिव रहने का क्या होता है असर?

एक्सपर्ट कहते हैं कि समस्या यह है कि यह थकान तुरंत महसूस नहीं होती. लोगों को लगता है कि मोबाइल स्क्रॉल करना या देर रात तक वीडियो देखना आराम देने वाला काम है, लेकिन असल में दिमाग लगातार नई जानकारी को प्रोसेस करता रहता है. यही कारण है कि नर्वस सिस्टम हमेशा हल्की सतर्क अवस्था में बना रहता है. धीरे-धीरे यह आदत मानसिक थकान, ध्यान की कमी और इमोशनल कंफर्ट में बदल सकती है. नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ की रिसर्च में भी सामने आया है कि जरूरत से ज्यादा स्क्रीन देखने और देर रात तक डिजिटल चीजों में लगे रहने से नींद की क्वालिटी, इमोशनल संतुलन और ध्यान लगाने की क्षमता पर असर पड़ता है. खासतौर पर देर रात की लगातार स्क्रॉलिंग दिमाग को अलर्ट मोड में बनाए रखती है.

क्यों हमारे लिए सही नींद जरूरी है?

अपोलो हॉस्पिटल्स के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ सुरेश बाबू पी बताते हैं कि दिमाग के अंदर एक खास सफाई सिस्टम होता है, जिसे ग्लिम्फेटिक सिस्टम कहा जाता है. यह सिस्टम गहरी नींद के दौरान सबसे ज्यादा सक्रिय होता है और दिमाग जमा होने वाले जहरीले मेटाबॉलिक पदार्थों को बाहर निकालने का काम करता है. डॉ सुरेश बाबू पी के अनुसार, अगर लगातार नींद की कमी हो या रात में ज्यादा स्क्रीन इस्तेमाल की जाए, तो लंबे समय में दिमाग की काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है. उन्होंने कम से कम 6 से 8 घंटे की बिना रुकावट नींद लेने और रात में स्क्रीन टाइम घटाने की सलाह दी है.

श्रद्धालुओं के साथ विधायक पुरन्दर मिश्रा ने की भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना, 108 कलशों से हुआ दिव्य महाअभिषेक

देव स्नान पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं क साथ भक्ति में लीन हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

करण बन्सोर- रायपुर

देव स्नान पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के गायत्री नगर, शंकर नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का पारंपरिक विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य महाअभिषेक एवं स्नानोत्सव श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर 'जय जगन्नाथ' के जयघोष, भजन-कीर्तन एवं आध्यात्मिक वातावरण से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम का नेतृत्व जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पुरन्दर मिश्रा ने किया। उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का 108 पवित्र कलशों के जल से महाअभिषेक कर प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि देव स्नान पूर्णिमा भगवान श्री जगन्नाथ की दिव्य लीलाओं का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा एवं सामाजिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ सबको समान दृष्टि से अपनाने वाले लोकदेवता हैं और उनकी कृपा से समाज में प्रेम, भाईचारा एवं सेवा की भावना का विस्तार होता है। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाअभिषेक के पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा 15 दिनों तक 'अनवसर' में रहेंगे। इस अवधि में भगवान विश्राम एवं उपचार करेंगे तथा इसके उपरांत नवयौवन दर्शन के बाद विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा का शुभारंभ होगा। मंदिर में आयोजित स्नानोत्सव के दौरान वैदिक ब्राह्मणों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना, मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराए गए। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भगवान के दिव्य स्नानोत्सव के दर्शन किए तथा महाप्रसाद ग्रहण कर स्वयं को धन्य अनुभव किया। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों एवं विद्युत सज्जा से अलंकृत किया गया था, जिससे भक्तिमय वातावरण और भी दिव्य प्रतीत हो रहा था। विधायक पुरन्दर मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं को देव स्नान पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्री जगन्नाथ से प्रार्थना की कि उनकी कृपा सभी पर बनी रहे तथा समाज में सुख, शांति, समृद्धि और सद्भाव का संचार होता रहे। इस अवसर पर जगन्नाथ सेवा समिति के पदाधिकारी, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अल्हम्दु मीट फैक्ट्री विवाद: कोर्ट में टली सुनवाई, अब 1 जुलाई को होगी पार्टनरों की जमानत पर बहस

संवाददाता

खुर्जा आज फिर आपको हम जानकारी दे रहे है खुर्जा की मीट फैक्ट्री अल्हम्दु के पार्टनरों के विरुद्ध लैब रिपोर्ट प्रतिबंधित जानवरों के अवशेष के आने के बाद चांदोंस पुलिस ने कानूनी शिकंजा कसा व अग्रिम कार्रवाई में पुलिस लगी हुई है वहीं अल्हम्दु मीट फैक्ट्री के तीन पार्टनर्स की बेल सुनवाई के लिए 25 जून के बाद 29 जून लगी थी डीएम बुलंदशहर की रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के बाद एक जुलाई बेल की सुनवाई पर लगी हुई है वहीं अधिवक्ताओं व पैरोकारों का विश्वास है कि बेल 1 जुलाई को निश्चित हो सकती है अलीगढ़ कोर्ट में बेल विचाराधीन है

हॉरर फिल्म शैली में कदम रखने जा रही हैं जैकलीन फर्नांडीज

जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थी और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीजर और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थी और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।

'द आर्चीज' मेरे लिए फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की। बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'

फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'

वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए वह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'

वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।' बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

निर्देशक नेल्सन के साथ काम करना चाहते हैं सूर्या

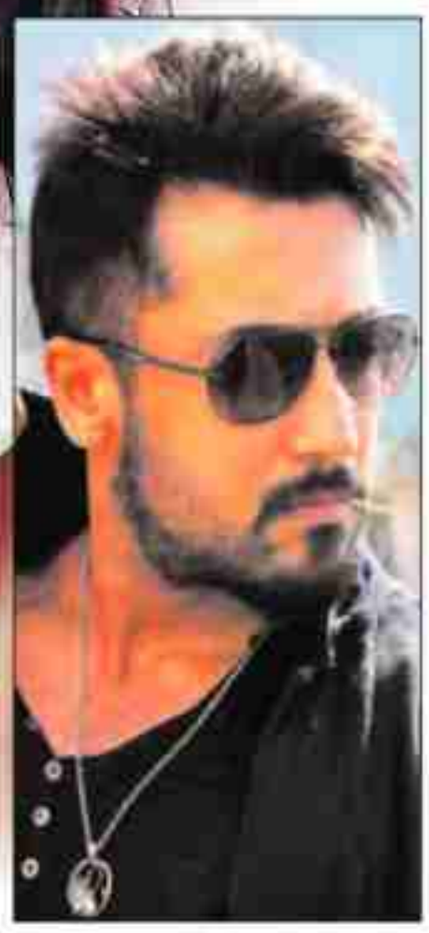

सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म 'करुप्पु' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। सिनेमाघरों के बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर आ चुकी है, जहां इसे लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है। इस बीच, खबर है कि सूर्या अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह अपनी 50वीं फिल्म के लिए निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ काम करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सूर्या निर्देशक नेल्सन के साथ फिल्म 'सूर्या 50' में काम करने के इच्छुक हैं। बताया जा रहा है कि सूर्या की टीम ने इस कॉमेडी फिल्म में संभावित सहयोग के लिए निर्देशक से संपर्क भी किया है। हालांकि नेल्सन अभी रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में बिजी हैं। फिलहाल दोनों के सहयोग की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।' सूर्या की अगली फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' है। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस मामिता बैजू दिखाई आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सनी देओल की आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' और इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' के साथ होगी।

'ढिंढोरा 2' लेकर आएंगे भुवन बाम, शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का हिस्सा भी बनेंगे

यूट्यूबर से एक्टर बने भुवन बाम की वेब सीरीज 'ढिंढोरा 2' जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसकी शूटिंग वह इन दिनों कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में एक नए किरदार की एंट्री भी होने वाली है। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' में भुवन ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग का जिक्र किया। साथ ही समय रैना के शो में आने की बात भी कही।

सोशल मीडिया पर की घोषणा

भुवन बाम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शो 'ढिंढोरा 2' की घोषणा की। वह सीरीज के किरदार टीटू मामा के गेटअप में नजर आए। उनके साथ एक महिला किरदार भी खड़ी दिखी। 'ढिंढोरा 2' में वह इस बार नए किरदार की एंट्री करेंगे। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में भी भुवन बाम ने फोन बताया कि वह 'ढिंढोरा 2' की शूटिंग कर रहे हैं। दरअसल, समय रैना ने एक प्रतियोगी की बात फोन पर भुवन बाम से करवाई थी, वह प्रतियोगी भुवन का बहुत बड़ा फैन था।

'ढिंढोरा 2' को भुवन ने ही लिखा है

'ढिंढोरा 2' को भुवन बाम, अब्बास दलाल, हुसैन दलाल, चेतन डांगी, गोपाल दत्त, शुभम दुबे और अनंत दुबे ने लिखा है। इसे रोहित राज और भुवन बाम ने प्रोड्यूस किया है। इस वेब सीरीज के पहले सीजन को फैंस ने खूब पसंद किया था।

मल्टी टैलेंटेड है भुवन बाम

भुवन बाम एक चर्चित कॉमेडियन, एक्टर, राइटर, सिंगर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने यूट्यूब पर भारत में ऑनलाइन स्केच कॉमेडी की शुरुआत की थी।

रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं नानी

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'दंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है।

स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी

नानी की टीम अभी स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं। खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

मां बनने के बाद जिंदगी बदल गई है

रुबीना दिलैक ने बताया कि मां बनने के बाद जिंदगी कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवा और ईधा जुड़वा बेटियों के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। उन्होंने बताया- मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो मैं लीड रोल नहीं मिलेंगे।

टेलिविजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को इंडस्ट्री में लंबा अरसा हो गया है, मगर बीते वक्त के साथ वे निखरती चली गई हैं। फिक्शन शोज हों या नॉन फिक्शन अथवा हो रियलिटी शोज, वे हर जगह चमकी हैं। दो जुड़वा बेटियों की मां रुबीना फैशन गोल्स ही नहीं बल्कि फैमिली गोल्स भी सेट करती नजर आती हैं। उनका मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, मगर असंभव नहीं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कभी बिकीनी तो कभी अपने सेक्सी कॉस्टयूम से रुबीना चर्चा में रहती हैं। खुद को कैसे मेंटेन कर पाती हैं? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, 'आपको अपने दिमाग और बॉडी को एक खास तरह की फिटनेस के साथ रखना ही पड़ता है, फिर इसके बाद खूबसूरत लगना बायप्रोडक्ट हो जाता है। मैं किसी खास शेप या फिगर के लिए ऐसा नहीं करती। मुझे अपनी एनर्जी हाई चाहिए और मेरी परफॉर्मेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए, इसी वजह से मैं हेल्दी रहना पसंद करती हूं। इसके लिए मैं डिसिप्लिन में रहना पसंद करती हूं।'

शादी में लगा था बहुत हो गया, अब बस

रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला की शादी कई उतार-चढ़ाव से गुजरी। बिग बॉस 14 में जाने से पहले उनकी शादी तलाक के कगार तक पहुंच गई थी। रुबीना कहती हैं, 'हम अपनी शादी में ये जान चुके हैं कि बॉलिवुड से हमें आइडिया ऑफ लव बेचा गया है। मगर असलियत में वो वैसा नहीं है। प्यार हर रोज का कमिटमेंट है। जब आप सुबह उठते हैं और अपने पार्टनर की आंखों में देखते हैं, तो उनकी तमाम बुराइयों, कमियों और नकारात्मकता के बावजूद आप उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वही प्यार है। आपको लगातार रिश्तों पर काम करना पड़ता है। मगर यदि आप ये सोचते हैं कि ये मैं इसके साथ कहां फंस गई, तो फिर उस रिलेशनशिप से तुरंत निकल जाइए। हमारी शादी में अभिनव ने मेरे मामले में कभी हार नहीं मानी। हां मैं कह देती थी, आई एम डन, बहुत हो गया, अब नहीं।' तब अभिनव कहते, 'शांत हो जाओ, थोड़ा सोच लो' अभिनव ने मुझे बहुत संभाला।' सभी जानते हैं कि रुबीना जीवा और ईधा जैसी दो जुड़वा बेटियों की मां हैं, मगर ट्विंस के पालन - पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। वे कहती हैं, 'बच्चों के पालन-पोषण में बहुत पेरेंट्स की पार्टनरशिप बहुत जरूरी है और हम उसी तरीके से आगे बढ़ते हैं।'

वो कहते, मां बनने के बाद लीड रोल नहीं मिलेंगे

कई बार मदरहुड महिलाओं के लिए रुकावट भी बन जाता है। मगर क्या एंटरटेनमेंट की दुनिया में भीअभिनेत्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है? इस पर रुबीना कहती हैं, 'मैं आपको बताना चाहूंगी कि 60 से 65 प्रतिशत महिलाएं मां बनने के बाद काम रेज्यूम नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके पास सपोर्ट सिस्टम नहीं होता। हमने ऐसा कोई इकोसिस्टम भी नहीं बनाया, जहां नई माएं अपने मदरहुड के साथ करियर भी आगे बढ़ा सकें। हमारी इंडस्ट्री की खासियत ये है कि हम काम पर रेज्यूम करना चुन सकते हैं। मगर हमारे काम करने का नेचर ऐसा बन गया है कि लोग आपको लेबल और जज करना शुरू कर देते हैं। जैसे 'मां बन गई है, उम्र दिखने लगी है', 'अलग सी दिखने लगी है', 'अब ये वाले रोल नहीं भाते' तो अब यहां आपको एक बहुत ही पॉजिटिव और एनर्जी वाले माइंडसेट के साथ काम करना है, तो साथ में सुंदर भी लगना है, तो एक अलग तरह का दबाव रहता है। मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो मैं लीड रोल नहीं मिलेंगे। डर और इनसिक्योरिटी दोनों सताते हैं, मगर आपको उसी के बीच रास्ता तलाशना होता है। मां बनने के बाद मेरे हाथ से बहुत सारा काम और प्रोजेक्ट्स गए हैं।'

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढ़ता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति को और प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्नलिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावरण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन को टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चरागाह एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वरशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोस्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढ़ती है। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधिकरण कृषि क्षेत्र को बढ़ाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बड़ा ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बड़ा योगदान है जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.
- मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें.
- रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें.
- उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग --जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेतों में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनों की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रसायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियाएं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

- उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें.
- बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाविस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें.
- किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.
- उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें.
- फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें.
- सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें.
- रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें.
- समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरुरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानभरं साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 % पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फास्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जायें तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी की पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ट इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों को सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक ललित कुमार शर्मा द्वारा मैसर्स कुमार आफसैट प्रिन्टर्स, 567, तुराब नगर, गाजियाबाद से मुद्रित कराकर, ए- 574, सैक्टर-9, न्यू विजय नगर, गाजियाबाद (यू0 पी0) 201009 से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद के लिए निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गाजियाबाद में होगा। संपादक 8802820025, e-mail:phmnews24@gmail.com